■ फाल्गुन शुक्ल - 9 ■ संवत 2081 ■ वर्ष - 20 ■ अंक - 222 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » शनिवार » 08-03-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

॥ ॐ ह्रीं श्रीँ अर्हम् श्री केसरिया आदिनाथाय नमः॥
॥ श्री जीरावला पार्श्वनाथाय नमः॥
॥ श्री शीतलनाथाय नमः॥ * ॥ श्री चन्द्रप्रभस्वामिने नमः॥
॥ श्री जित-हीर-बुद्धि-तिलक-शान्ति-रत्नशेखर-
राजेन्द्रसूरि सद्गुरुभ्यो नमः॥

दक्षिण भारत श्री बेंगलोर नगरे शंकरपुरम् मध्ये

श्री केसरिया आदिनाथजी प्राण प्रतिष्ठा एवं प्राचीन श्री आदिनाथजी प्रतिष्ठा निमित्ते

नवाह्निका महोत्सव

सकल श्री जैन संघ को भावभरा हार्दिक आमंत्रण

नवाह्निका महोत्सव :
फागण सुदि १० से चैत्र वदि ३
रविवार, दि. 09-03-2025
से सोमवार, दि. 17-03-2025

प्रभुजी का वरघोडा
चैत्र वदि १
शनिवार,
दि. 15-03-2025

मंगलकारी प्रतिष्ठा
चैत्र वदि २
रविवार,
दि. 16-03-2025

द्वारोद्घाटन
चैत्र वदि ३
सोमवार
17-03-2025

पावनकारी सानिध्य
सम्यग् ज्ञान पिपासु
प.पू. आचार्यदेवश्री रत्नशेखरसूरीश्वरजी म.सा. के
शिष्यरत्न मरुधर रत्न **आचार्य श्री रत्नाकरसूरीश्वरजी म.सा.**
श्रुतोपासक आचार्य श्री रत्नसंयम सूरीश्वरजी म.सा.
आदि ठाणा ५

प्रतिष्ठा महोत्सव नवाह्निका महोत्सव का मंगल कार्यक्रम

प्रथम दिवस: फागण सुदि १०
रविवार, दि. 09-03-2025
भगवान, देव, देवी, पंचधातु प्रतिमा एवं
प्रतिष्ठाचार्य प.पू. आचार्य गुरुभगवंत का भव्य प्रवेश
श्री अयोध्या नगरी, भरत चक्रवर्ति भोजन मंडप उद्घाटन
पूजा पूजन मंदिरजी में, सायं भक्ति भावना अयोध्या नगरी में

द्वितीय दिवस: फागण सुदि ११
सोमवार, दि. 10-03-2025
सुबह: पूजा पूजन विधिविधान मंदिरजी में
सुबह नाश्ता, सुबह की नवकारसी, शाम की नवकारसी
सायं भक्ति भावना अयोध्या नगरी में

द्वितीय दिवस: फागण सुदि १२
मंगलवार, दि. 11-03-2025
सुबह जिनालय में च्यवन कल्याणक विधान, माता पिता,
इन्द्र-इन्द्राणी स्थापना, १४ स्वप्न दर्शन आदि स्टेज प्रोग्राम
सुबह का नाश्ता, सुबह की नवकारसी, शाम की नवकारशी
सायं भक्ति भावना अयोध्या नगरी में

चतुर्थ दिन : फागण सुदि १३
बुधवार, दि. 12-03-2025
जन्म कल्याणक की उजवणी, ५६ दिक्कुमारी, इन्द्र-इन्द्राणी स्टेज प्रोग्राम
प्रतिमा भरानेवाले लाभार्थी परिवारों द्वारा, उनके परिवार की ओर से भराई,
भगवान, देव-देवी के १८ अभिषेक
सुबह नाश्ता, सुबह की नवकारसी, शाम की नवकारसी
सायं भक्ति भावना अयोध्या नगरी में

पंचम दिवस: फागण सुदि १४
गुरुवार, दि. 13-03-2025
प्रियंवदा दासी द्वारा जन्म बधाई, भुआ-भुरोसा द्वारा नामकरण
पाठशाला गमन आदि स्टेज प्रोग्राम
सुबह नाश्ता, सुबह की नवकारसी, शाम की नवकारसी
सायं भक्ति भावना अयोध्या नगरी में

षष्टम दिवस: फागण सुदि १५
शुक्रवार, दि. 14-03-2025
प्रतिष्ठा की मुख्य जाजम: परमात्मा बिराजमान, देव-देवी बिराजमान,
अमरध्वजा चढावा, ध्वज-दंड स्थापना, कलश स्थापना, कुंकु थापा, माणिक लड्डू
एवं अन्य प्रमुखचढावे बोले जायेंगे मामेरा, विवाह, राज्याभिषेक, नवलोकांतिक
देवों द्वारा दीक्षा विनंती स्टेज प्रोग्राम , तीनो समय की नवकारसी
भक्ति भावना अयोध्या नगरी में

सम्पम दिवस : चैत्र वदि १
शनिवार, दि. 15-03-2025
दीक्षा कल्याणक भव्य वरघोडा, दीक्षा कल्याणक विधान
मध्यरात्रि में अधिवासना अंजन, प्रथम दर्शन, प्रथम देशना,
केवलज्ञान कल्याणक महोत्सव, मेहंदी वितरण, बड़ी साँझी
सुबह नाश्ता, सुबह की नवकारसी, शाम की नवकारसी
श्री मोतीशा सेठ नाटक का भव्य आयोजन-अयोध्या नगरी

अष्टम दिवस: चैत्र वदि २
रविवार, दि. 16-03-2025
ॐ पुण्याहं पुण्याहं प्रियन्ताम प्रिन्ताम्
शुभ मुहूर्त्त में प्राण प्रतिष्ठा के पवित्र भाव से भगवान बिराजमान
ध्वजारोहण देव-देवी, देव विमान, पुष्पवर्षा आदि महामंगलकारी अनुष्ठान
तोरण वांदना, शांतिस्नात्र पूजा,
फलेचुंदडी, बडी नवकारसी

द्वितीय दिवस: चैत्र वदि ३
सोमवार, दि. 17-03-2025
प्रात: शुभ मुहूर्त्त में भव्य द्वारोद्घाटन
पूजा पूजन मंदिरजी में
मामावल

स्टेज प्रोग्राम-भक्ति भावना
श्री अयोध्या नगरी
किम्स हॉस्पीटल के सामने, बेंगलोर

भरत चक्रवर्ति भोजन मंडप
मराठा हॉस्टल
बुल टेंपल रोड़, चामराजपेट, बेंगलोर

मंदिरजी
श्री आदिनाथ मंदिर
रंगराॅव रोड़, शंकरपुरम, बेंगलोर

सकल श्री जैन संघ के नम्र निवेदन है कि आप सपरिवार इस प्रतिष्ठा महोत्सव में पधारकर जिनशासन की शोभा बढावे

प्रतिष्ठा महोत्सव में प्रभु भक्ति की रमझट

श्री विनीत गेमावत * श्री विपीन पोरवाल
श्री दिलीप बाफना * श्री देवेश जैन
श्री विकी डी.पारेख * श्री वैभव वागमार
श्री राजीव विजयवर्गिय * खुशबु कुंभट
श्री जैनम वारिया * श्री पारस गडा
अभिलाषा भाटिया आदि

मातुश्री संघवी श्रीमती सुखीबाई शंकरलालजी सुपुत्र: धेवरचंदजी, पौत्र: कुशल, सफल
एवं समस्त साकरिया परिवार, मरुधर सांडेराव, फर्म: मंगलदीप चैन्स, बेंगलोर का का सादर जय जिनेन्द्र वंचावसीजी।

निमंत्रक: श्री आदिनाथ जैन श्वेतांबर मूर्तिपूजक ट्रस्ट, शंकरपुरम, बैंगलोर

संस्कृत के वैश्विक गौरव को बढ़ावा दे रही बीएपीएस, सैकड़ों किशोरों को श्लोक कराए कंठस्थ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मेलबर्न/दक्षिण भारत। बीएपीएस ने संस्कृत के वैश्विक गौरव को बढ़ावा देने के लिए ऑस्ट्रेलिया में 1,400 से ज्यादा किशोरों को सत्संग दीक्षा दी और सिद्धांत कारिका का मुखपाठ कराया। संस्था ने कहा कि संस्कृत सिर्फ एक भाषा नहीं, बल्कि विज्ञान, संस्कृति और मानसिक विकास का दिव्य साधन है। संस्कृत की संरचना और वैज्ञानिक गुण स्मरण शक्ति, एकाग्रता और तार्किक क्षमता को बढ़ाने में सहायक हैं। बीएपीएस ने बताया कि वह संस्कृत को बढ़ावा देती आई है। यह आध्यात्मिक मार्ग का अनुसरण करने के साथ ही युवा पीढ़ी को शाश्वत मूल्यों से जोड़ने के लिए प्रतिबद्ध है। संस्था ने कहा कि महंत स्वामी महाराज ने हमेशा संस्कृत की महानता को उजागर किया और उनके आशीर्वाद से यहां संतों और युवाओं के लिए संस्कृत अध्ययन अनिवार्य है।

बीएपीएस ने बताया कि हाल में ऑस्ट्रेलिया में उसके 1,400 से ज्यादा किशोरों ने सत्संग दीक्षा ग्रंथ के 315 श्लोकों को हृदयस्थ कर उनका उच्चारण किया। कई विद्यार्थियों ने सिद्धांत कारिका के 565 श्लोक भी कंठस्थ किए हैं। संस्कृत श्लोकों से बच्चों के मस्तिष्क और व्यक्तित्व पर आश्चर्यजनक प्रभाव पड़ा है। कई अभिभावकों ने अनुभव किया कि मुखपाठ करने से बच्चे पढ़ाई में मेधावी और तेजस्वी बन गए हैं। उनकी स्मरण शक्ति और एकाग्रता में बढ़ोतरी हुई है। संस्था ने कहा कि संस्कृत सिर्फ अतीत की भाषा नहीं, बल्कि भविष्य की भी भाषा है। आज यह वैश्विक स्तर पर नई ऊंचाइयों को छू रही है।

वीरेन्द्रमुनि का होली चातुर्मास मंजूनाथनगर में

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के मंजूनाथनगर सकल जैन संघ के तत्वावधान में जैन दिवाकर चौथमलजी के प्रपौत्र शिष्य विमलमुनिजी के शिष्य वीरेन्द्रमुनिजी ने फाल्गुनी होली चातुर्मास मंजूनाथनगर स्थित जैन भवन उत्तम अंकित विला में होने की स्वीकृति प्रदान की है। संघ की ओर से संघ के अध्यक्ष उत्तमचन्द आच्छा, मंत्री राकेश दलाल, राजेश कोठारी, वृद्धिचंद पितलिया ने संतश्री से होली चातुर्मास के लिए निवेदन किया था जिसे संतश्री ने स्वीकार कर लिया। मुनिश्री 10 मार्च को होली चातुर्मास के लिए प्रवेश करेंगे। होली चातुर्मास के लाभार्थी संघवी उत्तमचन्द आच्छा, विनोदकुमार मेड़तवाल, राजेश कोठारी एवं सुरेश बाघमार परिवार होंगे।

पुलिस को सावधानी बरतनी चाहिए कि कोई निर्दोष परेशान न हो : आचार्यश्री विमलसागरसूरी

आचार्यश्री ने पुलिसकर्मियों को दिया प्रेरणादायी प्रवचन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हिरियूर/सिरा। शुक्रवार को आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी से आशीर्वाद ग्रहण कर मार्गदर्शन लेने हिरियूर, सिरा, कलंबेले आदि क्षेत्रों के पुलिसकर्मी व अधिकारी चिक्कनहल्ली पहुंचे। उनके निवेदन पर आचार्यश्री का सभी पुलिसकर्मियों के लिए एक प्रेरणादायी प्रवचन का आयोजन किया गया। कन्नड़ व हिंदी में मार्गदर्शन देते हुए आचार्यश्री विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि मन और रुचिपूर्वक किया गया कार्य मनुष्य को संतोष और खुशी देता है। बिना मन के, अरुचि से किया जाने वाला काम मन को उद्विग्न और भारी बनाता है। कार्य छोटा हो या बड़ा, पूरी निष्ठा और रुचि पूर्वक करना चाहिए। बिना मन के मजबूरीपूर्वक ड्यूटी करने का कोई अर्थ नहीं है। जो काम हम करें, उसमें अपनी पूरी ऊर्जा और पवित्रता यदि लगा दें तो ध्यान घटित हो सकता है।

जैनाचार्य ने कहा कि हर पुलिसकर्मी और अधिकारी को इस बात की पूरी सावधानी बरतनी चाहिए कि किसी निर्दोष को परेशान न किया जाए। दोषी व्यक्ति को पकड़ने के लिए निर्दोष को सताया न जाए।

अपने आराध्य की कृपा प्राप्त करने के लिए यह बहुत जरूरी है। इससे पुलिस के प्रति समाज में सद्भावना और विश्वास का वातावरण बनेगा। अगर निर्दोष का मन तड़पता है तो उसके अशुभ परमाणु हमें और हमारे परिवार को शांति से जीने नहीं देंगे। यह शाश्वत सत्य है। वर्तमान युग में अनेक साधु-संतों, नेताओं और पुलिसकर्मियों के प्रति लोगों का विश्वास डगमगाया है। समाज और राष्ट्र के लिए यह शुभ संकेत नहीं है। अच्छे साधु-संत और निष्ठावान ईमानदार पुलिस अधिकारी समाज का सुंदर मार्गदर्शन कर उसे अपराधों से दूर रखने का काम कर सकते हैं। समाज की शांति, उन्नति और आपसी भाईचारे के लिए यह अत्यंत आवश्यक है। कई अवसरों पर पुलिस को गहरे तनाव के बीच लंबे समय तक काम करना पड़ता है।

इसके लिए समय, भोजन, विश्राम और मन का व्यवस्थित मैनेजमेंट करना चाहिए। इससे कम थकावट में अधिक काम किया जा सकता है। दिन में दो-तीन बार पांच-दस मिनट के लिए पूर्व दिशा की ओर बैठकर पूरी तल्लीनता से ध्यान करना चाहिए। यह आंतरिक ऊर्जा का जागरण करेगा। समय निकाल कर सत्साहित्य का वांचन करना चाहिए। जैनाचार्य ने बताया कि पिछले पांच वर्षों में तमिलनाडु और कर्नाटक की पदयात्रा के दौरान हमारी सुरक्षा व्यवस्था में रहे सैकड़ों पुलिसकर्मियों ने शाकाहार और व्यसनमुक्ति का संकल्प लिया है।

माहेश्वरी महिलाओं ने लड्डू गोपाल के संग खेली फूलों की होली

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के माहेश्वरी महिला संगठन ने माहेश्वरी भवन में लड्डू गोपाल के संग, फूलों की होली कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसमें मंडल की विभिन्न सदस्याएं अपने अपने घर से अपने लड्डू गोपाल को सजाकर लेकर आईं। अनुसूया सारड़ा ने भगवान गणेश वंदना की। कला कचोलिया ने गोपाल के संग खेलें होली' भजन गाया।

प्रसिद्ध गायिका स्वाति शर्मा ने होली से संबंधित विभिन्न भजन गाए और धमाल गीत गाए। स्वाति शर्मा के मधुर भजनों पर महिलाओं ने नाच गाकर लड्डू गोपाल को रिझाया। संचालन गायत्री मालपानी ने किया। अध्यक्षा श्वेता बियाणी सहित अन्य पदाधिकारियों ने लड्डू गोपाल के संग फूलों की होली खेली।

खेल ऐसा हो जिससे देखने व खेलने वाले दोनों को आनंद मिले : महेन्द्र मुणोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के मल्लेश्वरम क्रिकेटर्स क्लब द्वारा मंत्री मॉल के सामने स्थित गोल्डन बॉयज स्पोर्ट्स ग्राउंड में एमएससी कप क्रिकेट' प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें 12 से अधिक टीमों ने भाग लिया। इस मौके पर विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित मारुति मेडिकल्स के प्रमुख महेंद्र मुणोत ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि खेलों से शारीरिक और मानसिक व्यक्तित्व का विकास तो होता ही है, साथ ही भाईचारे की भावना को भी बढ़ावा मिलता है। खेलों में हार-जीत मुख्य बात नहीं होती, खेलों में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा होनी चाहिए, जिससे खिलाड़ी को भी आनंद मिले और दर्शक को भी आनंद मिले। आयोजकों ने मुणोत को सम्मानित किया।

'दक्षिण भारत में हिंदी भाषा की दिशा और दशा' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी संपन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के के. नारायणपुरा स्थित क्रिस्तु जयंती महाविद्यालय में दक्षिण भारत में हिंदी भाषा की दिशा और दशा' विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। महाविद्यालय के हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. श्रीधर पीडी ने स्वागत करते हुए हिंदी भाषा की विकास यात्रा, उसकी वर्तमान स्थिति और दक्षिण भारत में उसके महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने हिंदी भाषा को राष्ट्रीय एकता की संजीवनी बताते हुए इसके प्रचार-प्रसार पर जोर दिया।

संगोष्ठी की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य रेवरेंड फादर डॉ. अगस्टीन जॉर्ज ने की। उन्होंने हिंदी भाषा को भारतीय संस्कृति और सामाजिक समरसता का महत्वपूर्ण अंग बताते हुए इसके शिक्षण और प्रचार-प्रसार को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर बल दिया।

उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि के रूप में मैसूरु विश्वविद्यालय, मानसगंगोत्री की पूर्व हिंदी विभागाध्यक्ष प्रो. प्रतिभा मुदलियार उपस्थित रहीं। उन्होंने दक्षिण भारत में हिंदी भाषा की स्वीकृति, शिक्षण पद्धति एवं भाषा के बढ़ते प्रभाव पर प्रकाश डाला। संगोष्ठी के बीज वक्ता के रूप में हिंदी विभागाध्यक्ष, कर्नाटक केंद्रीय विश्वविद्यालय, कलबुर्गी के प्रो. संदीप रणभिरकर ने अपने संबोधन में दक्षिण भारत में हिंदी के प्रचार-प्रसार, तकनीकी युग में हिंदी की भूमिका तथा नई शिक्षा नीति के संदर्भ में हिंदी भाषा के महत्व को रेखांकित किया।

कार्यक्रम में मानवीय संकाय के अध्यक्ष डॉ. गोपा कुमार ने हिंदी के महत्व पर प्रकाश डाला। समाजशास्त्र एवं भाषा विभाग के अध्यक्ष डॉ. कावेरी स्वामी भी उपस्थित रहे। इस संगोष्ठी में देशभर के हिंदी विद्वानों, शोधार्थियों एवं भाषा प्रेमियों ने भाग लिया। इस आयोजन में हिन्दी विभाग के अनेक प्राध्यापक प्रो. विनोद बाबूराव मेघश्याम, डॉ. मोहम्मद नयाज पाशा, डॉ. मुस्लिम अब्दुल रजाक, डॉ. गणशेटवार साईंनाथ नागनाथ, डॉ. कृष्णा डी. लमाणी और डॉ. बेंद्र बसवेश्वर नागाराव आदि उपस्थित थे।

जिनदत्तकुशलसूरी जैन सेवा मंडल द्वारा 66 कल्याणक भूमियों की यात्रा

कल्याणक भूमियों की स्पर्शना कर बेंगलूरु पहुंची संघयात्रा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय जिनकुशलसूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट के तत्वावधान में जिनदत्तकुशलसूरी जैन सेवा एवं संगीत मंडल बसवनगुड़ी द्वारा रजत जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में मलयप्रभसागरजी की प्रेरणा से 66 कल्याणक भूमियों की संघयात्रा का आयोजन किया गया। यात्रा सम्पन्न कर संघ वापस बेंगलूरु पहुंचा। मंडल के अध्यक्ष अरविन्द कोठारी ने विभिन्न पवित्र भूमियों का इतिहास बताया। सभी तीर्थों पर संघ यात्रियों ने स्नात्र पूजा, दर्शन, वन्दन, सेवा, पूजा, परमात्मा भक्ति से आध्यात्मिक माहौल बनाया।

मंडल के महामंत्री ललित डाकलिया ने बताया कि जहां परमात्मा का च्यवन, जन्म, दीक्षा, केवलज्ञान और मोक्ष होता है उन भूमियों को कल्याणक भूमि कहा जाता है। जहां तीर्थंकर परमात्मा ने जन्म लिया और विचरण किया वहां परमात्मा के अणु परमाणुओं के स्पर्श मात्र से हम पावन बन जाते हैं। दौ सौ दस सदस्यों के साथ ग्यारह दिवसीय यात्रा के लाभार्थियों का सम्मान किया गया। यह यात्रा आगरा, शौरीपुर, कौशाम्बी, हस्तीनापुर, अहिच्छत्र, कम्पिल, श्रावस्ती, हरिद्वार, ऋषिकेश, अयोध्या, रत्नपुरी, सिंहपुरी, चन्द्रपुरी, पुरिमताल, प्रयागराज, काशी-वाराणसी, भदैनी होते हुए पुनः बेंगलूरु पहुंची। यात्रा संघ में अध्यक्ष अरविन्द कोठारी, उपाध्यक्ष राकेश डाकलिया, रमेश गुलेच्छा, महामंत्री ललित डाकलिया, सहमंत्री धर्मेन्द्र संकलेचा, नरेन्द्र पारख, निहालचंद जैन, कमल श्रीश्रीमाल, अभयकुमार जैन ने व्यवस्थाएं संभाली। पूर्व अध्यक्ष तनसुखराज गुलेच्छा ने सभी यात्रियों को शुभकामनाएं दी।

एएफटीसी में तकनीकी अधिकारियों की स्नातक परेड हुई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बासठ हफ्ते के कठोर प्रशिक्षण के सफल समापन पर, 104वें एयरोनॉटिकल इंजीनियर्स कोर्स (एईसी) अधिकारियों की औपचारिक पासिंग आउट परेड (पीओपी) शुक्रवार को यहां एयर फोर्स टेक्निकल कॉलेज (एएफटीसी) में आयोजित की गई। इस अवसर पर, 10 महिला अधिकारियों सहित कुल 47 इंजीनियरिंग अधिकारियों ने कॉलेज से स्नातक की उपाधि प्राप्त की। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मेंटेनेंस कमांड (एमसी) के एयर ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ एयर मार्शल विजय कुमार गर्ग थे। उन्होंने बतौर समीक्षा अधिकारी (आरओ) परेड का निरीक्षण भी किया। कॉलेज के कमांडेंट एयर कमोडोर आशुतोष श्रीवास्तव ने उनका स्वागत किया।

परेड के दौरान कई शानदार प्रदर्शन किए गए, जिनमें डोर्नियर विमान द्वारा फ्लाई पास्ट, भारतीय वायुसेना की 'एयर डेविल्स' टीम द्वारा स्काईडाइविंग प्रदर्शन, एयर वॉरियर्स ड्रिल टीम' द्वारा ड्रिल प्रदर्शन और सेना सेवा कोर (एससी) मोटरसाइकिल डिस्प्ले टीम द्वारा टॉरनेडो' प्रदर्शन शामिल हैं। योग्यता क्रम में प्रथम स्थान के लिए प्रतिष्ठित 'स्वॉर्ड ऑफ ऑनर' फ्लाइंग ऑफिसर अंकुश को दिया गया तथा प्रोफेशनल विषयों में सर्वश्रेष्ठ अधिकारी के लिए 'राष्ट्रपति पट्टिका' फ्लाइंग ऑफिसर अंकित राज को दी गई। इलेक्ट्रॉनिक और मैकेनिकल स्ट्रीम में योग्यता क्रम में प्रथम स्थान पाने के लिए 'चीफ ऑफ एयर स्टाफ मेडल' क्रमशः फ्लाइंग ऑफिसर हर्षित बिलंदी और फ्लाइंग ऑफिसर डोंगले अविष्कार नामदेव को दिए गए। बाद में, एयर मार्शल ने सभा को संबोधित किया और स्नातक अधिकारियों को बधाई दी। अपने संबोधन में, उन्होंने एयरोस्पेस सुरक्षा सुनिश्चित करने और वायु शक्ति को आगे बढ़ाने में इंजीनियरिंग अधिकारियों की भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने स्नातक अधिकारियों से आह्वान किया कि वे अपने ज्ञान और कौशल को निरंतर उन्नत करते रहें, ताकि वे निरंतर बदलती तकनीकी प्रगति के साथ खुद को अद्यतन रख सकें।

महिला दिवस के उपलक्ष्य में कवि सम्मेलन व प्रेरणा सम्मान कार्यक्रम आयोजित

तेरापंथ महिला मंडल राजाजीनगर ने किया आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय तेरापंथ महिला मंडल राजाजीनगर द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर नारीत्व का उत्सव-स्वरधारा' नामक कवि सम्मेलन एवं प्रेरणा सम्मान का आयोजन राजाजीनगर तेरापंथ भवन में किया गया। मंडल की अध्यक्षा उषा चौधरी ने सभी का स्वागत करते हुए नारी की महिमा का गुणगान किया। इस अवसर पर कवयित्री डॉ राखी शाह, गीता चौबे गूंज, स्वीटी सिंघल, डॉ.मंजू गुप्ता, भार्गवी रविन्द्र एवं प्रतीक्षा तिवारी ने नारी के सृजन, संघर्ष, सफलता, समानता, सम्मान और सशक्तिकरण से संबंधित काव्यपाठ किया।

इस वर्ष मंडल की ओर से डॉ .राखी शाह को प्रेरणा सम्मान' देकर सम्मानित किया गया। मंडल की रंजीता बोथरा, कोषाध्यक्ष सरिता हीरावत, स्नेहा चोरड़िया, तिरपुर की उपासिका संजू दुगड़ और ऋतु भूतड़ा ने भी अपनी काव्य प्रस्तुति दी। कमलाबाई रोशनलाल कोठारी का विशेष आर्थिक सहयोग रहा।

प्रेरणा सम्मान पत्र का वाचन और संचालन मंत्री लता नवलखा ने किया। संयोजिका सुनीता कोठारी और सहसंयोजिका सपना गन्ना ने कवयित्रियों का परिचय दिया। संगठन मंत्री रंजीता बोथरा ने आभार प्रकट किया। इस मौके पर मंडल सहित कुल 125 सदस्याएं उपस्थित थीं।

रान्या राव को तीन दिन की डीआरआई हिरासत में भेजा

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। आर्थिक अपराध मामलों की विशेष अदालत ने शुक्रवार को अभिनेत्री रान्या राव को तीन दिन के लिए राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) की हिरासत में भेज दिया। राव को इस सप्ताह की शुरूआत में दुबई से 14.2 किलोग्राम सोने की तस्करी के आरोप में केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर गिरफ्तार किया गया था। डीआरआई ने तस्करी किए गए सोने के स्रोत और उसके संभावित प्राप्तकर्ताओं की जांच के लिए अभिनेत्री को हिरासत में लेकर पूछताछ करने का अनुरोध किया और मामले में ''राष्ट्र-विरोधी गतिविधियों'' से संभावित संबंध की दलील दी। अदालत ने अनुरोध स्वीकार करते हुए मामले में आगे की जांच की अनुमति दे दी। सुनवाई के दौरान, डीआरआई ने अभिनेत्री की हिरासत के अपने अनुरोध के समर्थन में राव से प्राप्त एक बयान भी प्रस्तुत किया।

जांचकर्ताओं ने खुलासा किया कि राव, जिनकी पहचान उनके पासपोर्ट में हर्षवर्दिनी रान्या के रूप में की गई है, पिछले छह महीनों में 27 बार दुबई की यात्रा कर चुकी हैं, जिससे इन लगातार यात्राओं की प्रकृति के बारे में चिंताएं बढ़ गई हैं।

राव ने अपनी गिरफ्तारी के बाद कथित तौर पर दुबई के रियल एस्टेट सेक्टर में स्वतंत्र रूप से काम करने का दावा किया। राव ने बृहस्पतिवार को जमानत के लिए आवेदन किया था, लेकिन अदालत ने डीआरआई के हिरासत अनुरोध के बाद इस पर फैसला सुरक्षित रख लिया था। कर्नाटक के बेंगलूरु स्थित केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर 34 वर्षीय कन्नड़ अभिनेत्री रान्या राव के पास से 14.2 किलोग्राम सोने की छड़ें जब्त की गईं, जिनका अनुमानित मूल्य 12.56 करोड़ रुपये है। इसके बाद अभिनेत्री के आवास की तलाशी में 2.06 करोड़ रुपये मूल्य के सोने के आभूषण और 2.67 करोड़ रुपये नकद जब्त किये गए।

कल केएसपी रन में 10 हजार से अधिक लोगों के भाग लेने की उम्मीद

बेंगलूरु। राज्य में नौ मार्च को होने जा रही कर्नाटक राज्य पुलिस (केएसपी) दौड़ के दूसरे संस्करण में पुलिस कर्मियों, सैन्यकर्मियों और पेशेवर धावकों समेत 10 हजार से अधिक लोगों के हिस्सा लेने की उम्मीद है। इस वर्ष 'नम्मा पुलिस, नम्मा हेम्मे' (हमारी पुलिस, हमारा गौरव) विषय पर हो रही केएसपी दौड़ भारतीय स्टेट बैंक के सहयोग से आयोजित की जाएगी। 'नशा मुक्त कर्नाटक, हरित बेंगलूरु और साइबर अपराध' के प्रति लोगों को जागरूक करने के मकसद से यह दौड़ आयोजित की जा रही है।शुक्रवार को जारी आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, यह दौड़ दो श्रेणियों में आयोजित होगी, सुबह साढ़े छह बजे 10 किलोमीटर की दौड़ होगी और सुबह सात बजकर 15 मिनट पर पांच किलोमीटर की दौड़ आयोजित की जाएगी।

श्रुत ज्ञान की आराधना से ही जीवन मंगलमय बनता है : विनयमुनि खींचन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के हनुमंतनगर जैन स्थानक में विराजित श्री विनयमुनिजी खींचन ने अपने प्रवचन में कहा कि श्रुत ज्ञान की आराधना से ही जीवन मंगलमय बनता है। भगवान महावीर ने अन्तिम देशना में कहा था कि श्रुत ज्ञान की आराधना से अन्दर छिपे अज्ञान रूपी अंधकार का क्षय होता है और फिर किसी प्रकार का कलह-क्लेश जीवन में नहीं रहता है। संकल्प-विकल्प तथा आर्तध्यान, रौद्रध्यान छूटते ही धर्म, ध्यान, यम, नियम में प्रतिक्षण पवित्रता बढ़ती जाती है। मन की एकाग्रता, पवित्रता, निर्मलता बनने के बाद ही संयम आता है। संयम से आत्मा का निर्मलीकरण बढ़ता जाता है। तप से आत्मा में गुण बढ़ते हैं।

फाल्गुन शुक्ल - 9 ■ संवत 2081 ■ वर्ष - 20 ■ अंक - 222 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » शनिवार » 08-03-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

4 आस्था और शौर्य का अद्भुत प्रतीक है तनोट माता मंदिर : हरिभाऊ बागड़े

6 बलात्कार और हिंसा पर कब टूटेगी समाज की चुप्पी?

7 'नसीब' साइन करने से डर गयी थी हेमा मालिनी

फर्स्ट टेक

स्पेसएक्स के 'स्टारशिप' की एक और परीक्षण उड़ान नाकाम

ब्राउंसविले (अमेरिका)/एपी। अमेरिकी अरबपति एलन मस्क की 'स्पेस एक्सप्लोरेशन टेक्नोलॉजीज कारपोरेशन' (स्पेसएक्स) ने बृहस्पतिवार को 'स्टारशिप' रॉकेट की उड़ान का परीक्षण किया, लेकिन यह एक बार फिर नाकाम हो गयी और रॉकेट का जलता हुए मलबा फ्लोरिडा में आसमान से नीचे गिरता दिखाई दिया। निजी अमेरिकी वांतरिक्ष और अंतरिक्ष परिवहन सेवा कंपनी ने करीब दो महीने पहले भी 'स्टारशिप' का परीक्षण किया था लेकिन वह भी नाकाम रहा था और उसका जलता मलबा तुर्क और कैकोस पर गिरा था। स्पेसएक्स ने बृहस्पतिवार को एक और विशालकाय 'स्टारशिप रॉकेट' की उड़ान का परीक्षण किया, लेकिन कुछ ही मिनटों बाद रॉकेट का संपर्क टूट गया और यान नीचे गिरकर टूट गया। इस बार, रॉकेट के जलते हुए मलबे को फ्लोरिडा में आसमान से गिरते देखा गया। हालांकि, यह तुरंत पता नहीं चला कि अंतरिक्ष यान की स्व-विनाश प्रणाली के कारण रॉकेट फटा या इसका कोई और कारण था।

रूस ने यूक्रेन के ऊर्जा ग्रिड पर बमबारी की

कीव/एपी। रूस ने बृहस्पतिवार रात यूक्रेन के ऊर्जा ग्रिड को निशाना बनाकर बड़े पैमाने पर मिसाइल और ड्रोन हमले किए। यूक्रेनी अधिकारियों ने शुक्रवार को बताया कि ये हमले राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के इस बयान के कुछ घंटों बाद हुए कि रूस से तीन साल से जारी युद्ध की समाप्ति के लिए अमेरिका के साथ बातचीत अगले हफ्ते होगी। यूक्रेन के ऊर्जा मंत्री हर्मन हालुशेंको ने फेसबुक पर लिखा, यूक्रेन पर बड़े पैमाने पर मिसाइल और ड्रोन हमले हुए हैं। प्राधिकारियों ने बताया कि इन हमलों में एक बच्चे समेत कम से कम 10 लोग घायल हुए हैं।

'इंडियाज गॉट लैटेंट' विवादः रणवीर इलाहाबादिया, अपूर्वा मखीजा ने मांगी एनसीडब्ल्यू से माफी

नई दिल्ली/भाषा। यूट्यूबर रणवीर इलाहाबादिया और अपूर्वा मखीजा ने ''इंडियाज गॉट लैटेंट'' पर की गई अपनी आपत्तिजनक टिप्पणियों को लेकर राष्ट्रीय महिला आयोग से लिखित में माफी मांगी है। आयोग की अध्यक्ष विजया रहाटकर ने शुक्रवार को यह जानकारी दी और कहा कि ऑनलाइन कार्यक्रम में की गई उनकी टिप्पणियां ''कतई स्वीकार्य नहीं'' हैं। इलाहाबादिया, मखीजा और शो के निर्माता सौरभ बोथरा एवं तुषार पुजारी बृहस्पतिवार को यहां राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) के समक्ष पेश हुए। सूत्रों के अनुसार दोनों यूट्यूबर्स से कई घंटे तक पूछताछ की गई।

08-03-2025 सूर्यास्त 6:29 बजे | 09-03-2025 सूर्योदय 6:31 बजे

BSE	NSE
74,332.58	22,552.50
(-7.52)	(+7.80)

सोना	चांदी
8,997 रु.	98,863 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

भारत नीति

हम नहीं समर्थक हिंसा के,
आदर्श हमारे रहे बुद्ध।
हैं विश्व शांति के हम प्रहरी,
मन वचन कर्म से सदा शुद्ध।
जो मानवता पर घात करे,
उन दुष्टों पर ही हुए क्रुद्ध।
योद्धा हैं सबल शक्ति से युत,
पर नहीं चाहते कभी युद्ध।।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने 2025-26 के लिए 4,09,549 करोड़ रुपए का बजट पेश किया

बजट को 'हलाल' कहने पर मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने भाजपा की आलोचना की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भाजपा ने कर्नाटक के बजट को ''हलाल बजट'' और ''पाकिस्तान बजट'' कहकर धर्मनिरपेक्षता का अनादर किया है।

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने राज्य के बजट को ''हलाल बजट'' और ''पाकिस्तान बजट'' कहने के लिए विपक्षी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की शुक्रवार को आलोचना की। भाजपा ने बजट को ''तुष्टीकरण'' करार दिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा का बयान उसकी ''वीभत्स मानसिकता'' को दर्शाता है। भाजपा ने सोशल मीडिया मंच एक्स' पर टोपी पहने हुए सिद्दरामय्या की एक तस्वीर साझा करते हुए लिखा, कर्नाटक में घोटालेबाज मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने हलाल बजट पेश किया - तुष्टीकरण अपने चरम पर!''

मुख्यमंत्री ने अपना 16वां बजट पेश करने के बाद पत्रकारों से कहा कि अल्पसंख्यकों का मतलब सिर्फ मुसलमान नहीं है और इस श्रेणी में बौद्ध, जैन, सिख एवं ईसाई भी हैं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि ईसाइयों के लिए भी 250 करोड़ रुपये निर्धारित किए गए हैं। सिद्दरामय्या ने कहा, बजट का आकार 4.09 लाख करोड़ रुपये है और अगर हम अल्पसंख्यकों को 4,500 करोड़ रुपये देते हैं तो भाजपा इसे 'हलाल बजट' कहती है। उनका बयान उनकी वीभत्स मानसिकता को दर्शाता है। जब एक पत्रकार ने उनसे अन्य पिछड़ी जातियों (ओबीसी) के लिए आवंटन के बारे में सवाल किया जो कि कुल आबादी का 56 प्रतिशत हैं, तो सिद्दरामय्या ने कहा कि उनके लिए 4,300 करोड़ रुपये निर्धारित किए गए हैं। उन्होंने कहा कि अनुसूचित जाति उप-योजना और जनजातीय उप-योजना (एससीएसपी-टीएसपी) के लिए 42,018 करोड़ रुपये निर्धारित किए गए हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा, हमने एससीएसपी-टीएसपी के लिए बड़ी राशि का आवंटन किया है।... उन्होंने आरोप लगाया कि कर्नाटक में भाजपा नेताओं में यह कहने का साहस नहीं है कि केंद्र सरकार को कर्नाटक द्वारा एससीएसपी-टीएसपी लागू किए जाने के तरीके को अपनाना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा, लेकिन वे हमें यह बताने आते हैं कि हम मुसलमानों को पैसे दे रहे हैं। हमसे सवाल करने का उनका क्या नैतिक अधिकार है? उन्होंने कहा कि भाजपा ने कर्नाटक के बजट को ''हलाल बजट'' और ''पाकिस्तान बजट'' कहकर धर्मनिरपेक्षता का अनादर किया है। सिद्दरामय्या ने कहा, यह सभी समुदायों का देश है, जो भाजपा को पता होना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने जो बजट पेश किया है, उसमें दूरदर्शिता है और यह समानता, सामाजिक एवं आर्थिक विकास को ध्यान में रखकर बनाया गया बजट है। उन्होंने कहा कि वह राजकोषीय उत्तरदायित्व और बजट प्रबंधन (एफआरबीएम) अधिनियम का पालन करते हैं। उन्होंने कहा कि 2024-25 में बजट का आकार 3.71 लाख करोड़ रुपये था जो बढ़कर 4,09,549 करोड़ रुपये हो गया है और यह 38,166 करोड़ रुपये की वृद्धि है। उन्होंने कहा कि बजट की वृद्धि दर 10.3 प्रतिशत है।

काशी और अयोध्या के बाद अब मथुरा की बारी : योगी आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मथुरा (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को कहा कि काशी और अयोध्या के कायाकल्प के बाद अब मथुरा और ब्रज भूमि के विकास का समय आ गया है। योगी ने आश्वासन दिया कि मथुरा, वृंदावन, बरसाना, गोकुल, नंदगांव, गोवर्धन और बलदेव सहित ब्रज क्षेत्र में अयोध्या, वाराणसी और प्रयागराज के परिवर्तन के समान तेजी से विकास होगा।

बरसाना में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने श्री लाडली जी महाराज मंदिर में दर्शन-पूजन किया और फूलों एवं लड्डुमार होली के जरिए रंगोत्सव की शुरुआत की।

मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि पांच हजार साल से भारत की सनातन संस्कृति को ऊर्जा देने वाली यह ब्रज भूमि श्रद्धा एवं आस्था की धरा है। इसके कण-कण में श्री राधा और श्री कृष्ण के दर्शन होते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा, ''उत्तर प्रदेश का सौभाग्य है कि यहां काशी, अयोध्या और मथुरा, ये तीनों तीर्थ स्थल सनातन एकता का प्रतीक के रूप में मौजूद हैं।'' उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विरासत और विकास की नई परंपरा स्थापित हुई है, जिसका परिणाम हाल ही में संपन्न प्रयागराज महाकुंभ के भव्य आयोजन के रूप में देखने को मिला। उन्होंने कहा, ''जो जितना सनातन धर्म के खिलाफ बोलता था, अफवाह फैलाता था और तर्कहीन बातें करता था, उन्हें सनातन धर्मावलंबियों ने महाकुम्भ के जरिए करारा जवाब दिया है। महाकुम्भ सनातन धर्म का दुर्लभतम क्षण बन गया है।''

वायुसेना का लड़ाकू विमान हरियाणा में दुर्घटनाग्रस्त, पायलट सुरक्षित : पुलिस

चंडीगढ़/भाषा। भारतीय वायुसेना का एक लड़ाकू विमान हरियाणा के पंचकूला जिले में शुक्रवार को दुर्घटनाग्रस्त हो गया, लेकिन पायलट सुरक्षित बाहर निकल आया। एक पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पायलट विमान को जमीनी बस्ती से दूर मैदान में ले गया और इस घटना में किसी के हताहत होने या घायल होने की कोई खबर नहीं है। पंचकूला जिले के रायपुररानी के थाना प्रभारी ने फोन पर 'पीटीआई-भाषा' को बताया, ''भारतीय वायुसेना का विमान पंचकूला जिले के पहाड़ी इलाके (मोरनी के पास) में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। लेकिन पायलट सुरक्षित बाहर निकल आया।''

शाह ने भाषा के मुद्दे पर स्टालिन पर निशाना साधा,

मेडिकल, इंजीनियरिंग की शिक्षा तमिल में कराएं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रानीपेट (तमिलनाडु)। तमिलनाडु में सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत केंद्र सरकार में भाषा के मुद्दे पर छिड़े विवाद के बीच केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन से राज्य में तमिल में इंजीनियरिंग और मेडिकल की शिक्षा प्रदान करने को कहा तथा तमिल भाषा की भी सराहना की।

भाषा के मुद्दे, विशेष रूप से स्टालिन द्वारा 'हिंदी थोपे जाने' का आरोप लगाते हुए इसका विरोध करने को लेकर शाह ने कहा कि नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने बदलाव किए हैं और अब यह सुनिश्चित किया है कि परीक्षा में उत्तर पुस्तिका तमिल में भी लिखी जा सकेगी। उन्होंने कहा, ''मैं तमिलनाडु के मुख्यमंत्री से छात्रों के लाभ के लिए राज्य में तमिल में इंजीनियरिंग और मेडिकल शिक्षा शुरू करने की अपील करता हूं।

राज्य में भाषा को लेकर जारी विवाद के बीच शाह की मुख्यमंत्री को निशाना साधते हुए ये टिप्पणी सामने आई। सत्तारूढ़ द्रमुक राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी 2020) के माध्यम से हिंदी लागू करने का दावा कर रही है, हालांकि केंद्र ने इसका खंडन किया है। राज्य सरकार ने कहा है कि वह केवल द्वि-भाषा नीति, यानी तमिल और अंग्रेजी का पालन करेगी। उन्होंने तमिलनाडु की सराहना करते हुए कहा कि राज्य की संस्कृति ने भारत की सांस्कृतिक धारा को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

जयशंकर ने आयरलैंड में कहा

आतंकवाद सतत चुनौती है, इससे प्रतिबद्धता के साथ निपटा जाएगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लंदन/भाषा। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने आयरलैंड में यूनिवर्सिटी कॉलेज डबलिन में अपने संबोधन में कहा कि संघर्ष आज एक प्रमुख मुद्दा है और भारत का मानना है कि मतभेदों को बातचीत एवं कूटनीति के जरिए सुलझाया जाना चाहिए।

जयशंकर ने विदेश नीति के विभिन्न मुद्दों पर अपने विचार रखे और आतंकवाद के खिलाफ भारत-आयरलैंड के साझा दृष्टिकोण को रेखांकित करने के लिए जून 1985 में एयर इंडिया विमान पर हुए आतंकवादी हमले का संदर्भ दिया। विदेश मंत्री ने कहा कि पश्चिमी कॉर्क में आयरिश गांव अहाकिस्ता, कनिष्क बम विस्फोट आपदा का गवाह है, जिसमें 329 लोगों की मौत हो गई थी। ये घटना आयरलैंड के तट पर हुई थी।

जयशंकर ने कहा, ''संघर्षों के बारे में एक विशेष बात, क्योंकि यह आज भारत के लिए एक बहुत ही प्रमुख मुद्दा है; हमारा हमेशा से यह मानना रहा है कि इस युग में मतभेदों को युद्ध के मैदान में नहीं सुलझाया जा सकता और न ही सुलझाया जाना चाहिए।''

वह बृहस्पतिवार को 'भारत का विश्व के प्रति दृष्टिकोण' विषय पर अग्रणी आयरिश शोध संस्थान में छात्रों, शिक्षाविदों और प्रवासी समुदाय के सदस्यों को संबोधित कर रहे थे।

पिंक सिटी जयपुर में सितारों का जमावड़ा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। पिंक सिटी जयपुर में इस समय बॉलीवुड के सबसे बड़े सितारों का जमावड़ा लगा हुआ है। इंटरनेशनल इंडियन फिल्म एकेडमी अवार्ड्स 2025 का आयोजन जयपुर में होने वाला है , जहां फिल्म इंडस्ट्री के प्रमुख कलाकार, निर्देशक और प्रोड्यूसर एक साथ एक मंच पर नजर आ रहे हैं। इस मौके पर बॉलीवुड के कई मशहूर सितारे जैसे शाहिद कपूर, रेखा, नोरा फतेही, निमरत कौर, करिश्मा तन्ना समेत अन्य कई सितारे शिरकत करने पहुंचे।

अभिनेता विजय वर्मा, अपारशक्ति खुराना और अभिषेक बनर्जी जयपुर पहुंच चुके थे। सुपरस्टार शाहरुख खान के शुक्रवार को पहुंचने की उम्मीद है और वे तीन दिन तक यहां रहेंगे।आईफा अवार्ड्स का ग्रैंड फिनाले 9 मार्च को होगा, जहां भारतीय सिनेमा के सर्वश्रेष्ठ कार्यों और कलाकारों को प्रतिष्ठित आईफा ट्रॉफी से सम्मानित किया जाएगा।

हालांकि आईफा पुरस्कार समारोह पारंपरिक रूप से अंतरराष्ट्रीय स्थानों पर आयोजित किए जाते रहे हैं, लेकिन इस वर्ष यह समारोह भारत में ही आयोजित किया जा रहा है, जिसकी शुरुआत सांस्कृतिक रूप से समृद्ध और खूबसूरत शहर जयपुर से हो रही है। यह तीन दिवसीय समारोह कई यादगार कार्यक्रमों, प्रदर्शनों और बॉलीवुड की कुछ महानतम उपलब्धियों को सम्मान देने से भरपूर होगा।

तापमान सामान्य से अधिक रहने का अनुमान

जयपुर। राजस्थान में आगामी सप्ताह के दौरान अधिकतम तापमान सामान्य से दो से तीन डिग्री सेल्सियस अधिक रहने का अनुमान है। मौसम विभाग ने यह जानकारी दीं

इसके अनुसार राज्य के अधिकांश भागों में आगामी सप्ताह के दौरान मौसम मुख्यतः शुष्क रहने की संभावना है। इस दौरान राज्य में अधिकतम तापमान सामान्य से 2 से 3 डिग्री सेल्सियस अधिक रह सकता है। बीते चौबीस घंटे में राज्य में मौसम मुख्यत शुष्क रहा। इस दौरान राज्य में सर्वाधिक अधिकतम तापमान बाड़मेर में 36.4 सेल्सियस दर्ज किया गया जबकि न्यूनतम तापमान फतेहपुर (सीकर) में 7.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

आस्था और शौर्य का अद्भुत प्रतीक है तनोट माता मंदिर : राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने शुक्रवार को भारत पाक सीमा पर स्थित प्राचीन शक्तिपीठ मां तनोट राय के दर्शन कर पूजा अर्चना की एवं समस्त प्रदेशवासियों के सुख समृद्धि और खुशहाली की प्रार्थना की। इस अवसर पर उन्होंने कहा तनोट माता मंदिर आस्था और शौर्य का अद्भुत प्रतीक है। यह मंदिर विषम परिस्थितियों में देश की रक्षा में तैनात जवानों की अटूट श्रद्धा का केंद्र है।

इस दौरान तनोट माता परिसर स्थित विजय स्तंभ पर सीमा सुरक्षा बल के जवानों ने उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया। वहीं, राज्यपाल बागड़े ने विजय स्तम्भ पर पुष्प चक्र अर्पित कर शहीदों को श्रद्धांजलि दी। इस मौके पर राज्यपाल को उपमहानिरीक्षक सीमा सुरक्षा बल नॉर्थ योगेंद्र सिंह राठौड़ ने उनका स्वागत किया एवं तनोट माता की तस्वीर भेंट की।

राज्यपाल बागड़े इसके पश्चात अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर बावलियांवाला चौकी पहुंचे और वहां पर तैनात सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों से मुलाकात की । विषम परिस्थितियों में देश की सीमाओं की रक्षा कर रहे सैनिकों की प्रशंसा करते हुए उन्होंने कहा कि इन वीर जवानों के साहस और त्याग की बदौलत ही हम सभी देशवासी चैन की नींद सो पाते हैं।

राज्यपाल ने बावलियांवाला चौकी पर सैनिकों से संवाद कर परिचय प्राप्त करते हुए कहा कि आपके बीच आकर मैं अपने आप में एक नई ऊर्जा का एहसास कर रहा हूं। साथ ही, यह पल मेरे लिए सदा एक यादगार पल रहेगा। इस दौरान उन्होंने सैनिकों की हौसला अफजाई की एवं उनके साथ पूरी आत्मीयता दिखाई। उन्होंने सैनिकों को सम्मान स्वरूप फल और मिठाई भेंट की। राज्यपाल ने कहा कि सीमा सुरक्षा बल देश की पहली रक्षा पंक्ति है। सीमा सुरक्षा बल के जवान हर जगह सतर्क और सीमा सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्ध है। किसी भी तरह की चुनौतियों का मुंहतोड़ जवाब देने के लिए हर दम तैयार है। साथ ही उन्होंने कहा कि रात-दिन इस कठिन परिस्थितियों में मुश्किल इलाकों की सुरक्षा में तैनात सीमा सुरक्षा बल के जवानों पर हम सबको गर्व है।

राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े की अध्यक्षता में शुक्रवार को तनोट माता मंदिर परिसर में स्थित सीमा सुरक्षा बल के सभागार में जिला प्रशासन एवं सीमा सुरक्षा बल के उच्च अधिकारियों के साथ आंतरिक सुरक्षा समन्वय की बैठक आयोजित की गई। इस अवसर पर उन्होंने आंतरिक सुरक्षा व्यवस्था का मजबूत तंत्र, सीमावर्ती क्षेत्रों में सड़क, पेयजल सहित अन्य मूलभूत सुविधाएं विकसित करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि देश की सीमाओं पर चौकसी जितनी जरूरी है, उतना ही आवश्यक यह है कि 'हमारे यहां आंतरिक सुरक्षा व्यवस्था प्रभावी रहे।

बैठक में राज्यपाल बागड़े ने पाक विस्थापित की स्थिति, अवैध मादक प्रदार्थों की तस्करी रोकथाम, तस्करी के खिलाफ की जा रही कार्रवाई,साईबर अपराधों के विरुद्ध आपरेशन सहित अन्य संबंधित बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा कर स्थिति एवं सुरक्षा की जानकारी ली एवं नियमानुसार शीघ्र कार्रवाई के निर्देश दिए। साथ ही, उन्होंने युवाओं में बढ़ रही नशे की प्रवृति की रोकधाम एवं अवैध मादक प्रदार्थों की तस्करी करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के भी निर्देश दिए।

राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने सीमावर्ती गांव रणाऊ के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में ग्रामीणों की सभा को संबोधित करते हुए कहा कि राजस्थान की धरती सदैव ही शूरवीरों की धरती रही है। उन्होंने कहा कि सीमावासियों ने सीमाओं की रक्षा के लिए सदैव सहयोग दिया इसके लिए वे बधाई के पात्र है। उन्होंने ग्रामीणों के साथ संवाद करते हुए उनसे क्षेत्र की पानी, बिजली, चिकित्सा एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं का फीडबैक लिया। उन्होंने लोगों से प्रधानमंत्री आवास योजना में बनाए गए पक्के आवासों की जानकारी ली एवं संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि योजनाओं के पात्र लोगों को प्रधानमंत्री आवास स्वीकृत कर उन्हें लाभान्वित करें। राज्यपाल बागड़े ने विद्यार्थियों के साथ भी संवाद किया एवं उनके शैक्षिक स्तर की जानकारी ली।

क्रय-विक्रय सहकारी समितियों के लाभ में रहने पर ही कर्मचारियों को वेतनमान का लाभ : दक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के सहकारिता राज्य मंत्री गौतम कुमार दक ने शुक्रवार को विधानसभा में कहा कि राज्य की क्रय-विक्रय सहकारी समितियों के लाभ में रहने पर नियमानुसार कर्मचारियों को वेतनमान का लाभ दिया जा सकता है। दक प्रश्नकाल में पूरक प्रश्नों का जवाब दे रहे थे। उन्होंने बताया कि सहकारी समितियां स्वायत्तशासी संस्थाएं हैं। इनमें सहकारी भर्ती बोर्ड के माध्यम से भर्तियां की जाती है तथा इनके अपने सेवा नियम हैं। उन्होंने जानकारी दी कि क्रय विक्रय सहकारी समितियों में विभिन्न वेतनमान लागू हैं।

उन्होंने बताया कि समिति के स्थाई कर्मचारियों को वेतनमान का लाभ देने के लिए समितियों द्वारा कुछ शर्तों को पूरा करना अनिवार्य है जैसे समिति द्वारा गत तीन वर्षों में लाभ अर्जित किया गया हो, सदस्यों को नियमानुसार लाभांश का भुगतान किया गया हो तथा गठित कोषों में समिति द्वारा आवश्यक विनिधान कर दिया गया हो, कर्मचारियों को वेतनमान का लाभ दिए जाने के बाद भी संस्था हानि की स्थिति में न आये, समिति आगामी वर्षों में अपना व्यवसाय इस प्रकार बढ़ाए कि व्यवसाय में होने वाले लाभ इस व्यय हेतु पर्याप्त हो, इसके अतिरिक्त समिति द्वारा यह भी सुनिश्चित किया जाए कि यह वेतन संबंधी लाभ दिए जाने के बाद वेतन एवं प्रशासनिक व्यय वर्ष के सकल लाभ के 50 प्रतिशत से अधिक न हो। उन्होंने कहा कि इन शर्तों को पूरा करने के बाद प्रशासनिक स्वीकृति लेकर समितियों के स्थायी कर्मचारियों को वेतनमान का लाभ दिया जा सकता है। इससे पहले विधायक गीता बरवड के मूल प्रश्न के लिखित जवाब में उन्होंने बताया कि क्रय विक्रय सहकारी समितियों में राजस्थान सहकारी भर्ती बोर्ड के माध्यम से चयनित कार्मिकों को संतोषप्रद परिवीक्षाकाल पूर्ण करने के उपरांत संबंधित समिति में लागू वेतनमान के अनुसार वेतन दिया जाता है। उन्होंने बताया कि राज्य की क्रय विक्रय सहकारी समितियों में समान रूप से वेतनमान लागू नहीं है।

राजस्थान के आयुष्मान आरोग्य मंदिर में 'जनता क्लीनिक' से कहीं बेहतर सुविधाएं : मंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान सरकार में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह ने विधानसभा में बताया कि राज्य में इस समय 357 शहरी आयुष्मान आरोग्य मंदिर हैं, जिनका वित्तपोषण केन्द्र सरकार करती है। सिंह, प्रश्नकाल के दौरान सदस्य द्वारा इस संबंध में पूछे गए पूरक प्रश्नों का जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा कि इन आरोग्य मंदिरों में टीकाकरण, दवाइयां, ओपीडी, परिवार कल्याण और स्वास्थ्य जांच जैसी सुविधाएं उपलब्ध हैं। सिंह ने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार द्वारा दिल्ली के मोहल्ला क्लिनिक की तर्ज पर वर्ष 2019 - 20 में 'जनता क्लीनिक' खोले गये थे, जिनकी संख्या मात्र 15 ही थी। उन्होंने कहा कि इन्हें वर्ष 2021-22 में शहरी स्वास्थ्य कल्याण केन्द्र नाम दे दिया गया।

सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा शहरी आयुष्मान आरोग्य मंदिर राजस्थान में खोले गये। मंत्री ने कहा कि केन्द्र सरकार द्वारा वर्ष 2020-21 में 142 आरोग्य मंदिर, 2022-23 में 47, 2023-24 में 143 और 2024-25 में 180 शहरी आयुष्मान आरोग्य मंदिरों को मंजूरी दी गयी। उन्होंने कहा कि जनता क्लीनिक पूरी तरह से दानदाताओं तथा सीएसआर वित्तपोषण के भरोसे चल रहे थे और इनका स्थाई बुनियादी ढांचा भी नहीं था।

सिंह ने सदन में बताया कि राज्य में संचालित शहरी आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में चिकित्सक, तकनीकी स्टाफ, लैब टेक्नीशियन, सफाई कर्मियों का वेतन, उपकरण, मरम्मत, मेंटेनेंस, टीकाकरण, दवाइयां, ओपीडी, परिवार कल्याण और स्वास्थ्य जांच आदि सुविधाओं के लिए केन्द्र सरकार द्वारा प्रतिवर्ष 70 लाख रुपये का भुगतान किया जाता है।

राजीव गांधी के लिए ऐसे शब्द कोई 'सिरफिरा' ही कह सकता है : अशोक गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी पर आपत्तिजनक टिप्पणी के लिए कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मणिशंकर अय्यर की निंदा की और कहा कि यह बयान अय्यर की 'हताशा' की पराकाष्ठा को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि राजीव गांधी के लिए ऐसे शब्द कोई 'सिरफिरा' ही कह सकता है। गहलोत ने यहां संवाददाताओं से कहा, जिस रूप से राजीव गांधी के बारे में अचानक टिप्पणियां (अय्यर की टिप्पणी) की गयी हैं, वह हताशा की पराकाष्ठा हैं। इतनी हताशा में व्यक्ति क्या बोलता है, उसको खुद को ही समझ में नहीं आता।

उन्होंने कहा, कोई सिरफिरा व्यक्ति ही राजीव गांधी को लेकर ऐसी बात बोल सकता है। उन्होंने (राजीव गांधी ने) दुनिया के मुल्कों में भारत का मान बढ़ाया। गहलोत ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के कार्यकाल में जो कानून पारित किए गए वे इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में लिख गए और उस व्यक्ति के बारे में टिप्पणियों की जितनी निंदा की जाए कम है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के आईटी प्रकोष्ठ के प्रमुख अमित मालवीय ने बुधवार को 'एक्स' पर एक वीडियो क्लिप साझा किया, जिसमें अय्यर को यह दावा करते हुए सुना जा सकता है कि राजीव गांधी को इंग्लैंड में शैक्षणिक रूप से परेशानी का सामना करना पड़ा। उन्होंने आश्चर्य व्यक्त करते हुए कहा, जो व्यक्ति (राजीव गांधी) हवाई जहाज का पायलट था और दो बार विफल रहा, वह प्रधानमंत्री कैसे बन सकता है?

दुष्कर्मियों का आर्थिक बहिष्कार किया जाए : भड़ाना

भीलवाड़ा। राजस्थान में भीलवाड़ा में कैफे कांड के साथ ही बिजयनगर दुष्कर्म और ब्लैकमेल कांड पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के मांडल के विधायक उदयलाल भड़ाना ने कहा है कि दुष्कर्मियों का 'आर्थिक बहिष्कार' करने की मांग की। भड़ाना ने गुरुवार को यहां ग्रामीण हाट बाजार में राजीविका की ओर से लगाए गये सखी मेले में मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए कहा कि लोग संगठित होकर ताकत के साथ रहें तो उनकी तरफ कोई आंख उठाकर नहीं देख सकेगा। उन्होंने कहा कि हमारे देश, गांव, घर-परिवार की माताएं-बहनें सुरक्षित रहें, ये हमारी आन-बान और शान हैं। अगर इन पर आंच आती है तो सभी राजनीतिक दलों को अपने मतभेद भुलाकर एक साथ एक मंच पर खड़ा रहना चाहिए।

किसने मना किया है जांच कराने से : धारीवाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मंत्री एवं कांग्रेस विधायक शांति धारीवाल ने शुक्रवार को विधानसभा में राज्य सरकार पर केवल भाषण एवं घोषणा करने का आरोप लगाते हुए कहा है कि वह कई बार कह चुकी है कि पूववर्ती सरकार के समय वितरित पट्टों की जांच करायेगी लेकिन अभी तक कोई जांच नहीं कराई गई हैं। धारीवाल सदन में अनुदान की मांग संख्या 39 नगरीय विकास एवं आवासन तथा मांग संख्या 40 स्वायत्त शासन पर हो रही चर्चा में भाग लेते समय यह बात कही। उन्होंने कहा हमने 13 लाख पट्टे बांटे हैं, जांच कराये, अगर मैंने गलती की है तो सजा दी जाये, लेकिन केवल भाषण में कहना और डेढ़ सौ बार बोल चुके हैं कि जांच करायेंगे मगर एक बार भी जांच नहीं कराई गई। किसने मना किया हैं जांच कराने से। उन्होंने कहा कि लोगों को पट्टे देकर मालिकाना हक दिया गया हैं।

इस पर नगरीय विकास एवं आवासन राज्य मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने हस्तक्षेप करते हुए कहा कि दस हजार वर्ग मीटर तक नियमन किया गया इतनी जमीन एक सामान्य किसान के पास नहीं होगी। इस दौरान दोनों में हल्की नोंकझोंक भी हुई और धारीवाल ने कहा कि जांच कराओ ना। उन्होंने कहा कि सरकार का विजन क्या हैं यह तो बताए, कराना क्या चाहते हो। केवल घोषणा कर दी, जांच कराए केवल आरोप लगा रहे, जांच करानी चाहिए। धारीवाल ने कहा कि राज्य सरकार को मास्टर प्लान पर ध्यान देना चाहिए और बढ़ती जनसंख्या के मद्देनजर उसे बसाने एवं उसकी व्यवस्था के बारे में सोचना चाहिए।

जयपुर, लालसोट और बहरोड़ में इनकम टैक्स की रेड, तीन शहरों में 22 ठिकानों पर छापेमारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर । राजस्थान के तीन शहरोंजयपुर, लालसोट और बहरोड़ में शुक्रवार सुबह इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने बड़ी कार्रवाई करते हुए तीन बड़े कारोबारियों के 22 ठिकानों पर छापेमारी की। यह रेड कारपेट, रियल एस्टेट और कार्गो बिजनेस से जुड़े व्यापारियों के ठिकानों पर हुई, जिन पर करोड़ों रुपये की टैक्स चोरी का आरोप है। सूत्रों के अनुसार, जयपुर में 19, लालसोट में 2 और बहरोड़ में 1 ठिकाने पर इनकम टैक्स अधिकारियों ने सुबह 7 बजे ही दबिश दी। जयपुर के ब्रह्मपुरी, बजाज नगर और बापू नगर स्थित बिजनेसमैन अनिल गुप्ता, अशोक पाटनी और शब्बीर खान के घरों में भी सर्च ऑपरेशन चल रहा है।

जांच एजेंसियों को इन व्यापारियों के पास बेनामी संपत्तियों और अघोषित संपत्तियों की जानकारी मिली है। शुरुआती छानबीन में भारी मात्रा में कैश, बैंक लॉकर और वित्तीय दस्तावेज जब्त किए गए हैं, जिनका सत्यापन जारी है। इनकम टैक्स अधिकारियों का मानना है कि इस रेड में करोड़ों की टैक्स चोरी का पर्दाफाश हो सकता है।

बहरोड़ में आशादीप बिल्डर्स के दफ्तर पर जब इनकम टैक्स की टीम पहुंची तो वहां ताला लटका मिला। टीम को देखते ही सोसाइटी के कर्मचारी सतर्क हो गए और किसी ने भी ऑफिस नहीं खोला। अधिकारी गाड़ियों में बैठे रहे और उच्च अधिकारियों से निर्देश का इंतजार करते रहे। लालसोट में कारपेट व्यवसाय से जुड़े प्रकाश चंद पाटनी के घर भी इनकम टैक्स की रेड हुई। अधिकारियों ने पाटनी हाउस के बाहर पुलिसकर्मियों की तैनाती कराई, जिससे कोई भी अंदर-बाहर न जा सके। पाटनी परिवार का कारपेट उद्योग के अलावा पेट्रोल पंप और अनाज मंडी में भी कारोबार है।

सूत्रों के अनुसार, इन तीनों व्यवसायियों का आपस में गहरा कनेक्शन है और काफी समय से टैक्स चोरी की शिकायतें मिल रही थीं।

आईटी डिपार्टमेंट ने पूरी जांच के बाद ही इस छापेमारी की योजना बनाई। रेड में बरामद दस्तावेजों की जांच जारी है और जल्द ही इन व्यापारियों पर ठोस कानूनी कार्रवाई हो सकती है। आयकर विभाग इस पूरे मामले में बड़े घोटाले की संभावना से इनकार नहीं कर रहा है।

मंदिर भूमि पर अतिक्रमण का विवाद : संतों की चेतावनी

कोटा। 1300 साल पुराने श्रीरघुनाथ जी मंदिर की भूमि पर अतिक्रमण का मामला गरमा गया है। संत समाज ने जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपते हुए अतिक्रमण हटाने, जमीन सीमांकन करवाने और अवैध गतिविधियों पर रोक लगाने की मांग की है।

संतों का आरोप है कि समाज विशेष के लोग मंदिर परिसर की भूमि पर कब्जा कर रहे हैं और विरोध करने पर धमकियां दी जा रही हैं। मठ के महंत जगदेवदास नागाजी ने बताया कि कैथून स्थित चंद्रलोही नदी के तट पर बने श्रीरघुनाथ जी मंदिर की जमीन पर अवैध निर्माण कर लिया गया है। उन्होंने कहयह मंदिर 1300 साल पुराना है, और इसकी भूमि पर अवैध रूप से दुकानें बनाई जा रही हैं। मंदिर के पास मांस की दुकानें भी खुल गई हैं, जिससे आस्था को ठेस पहुंच रही है।

सूरतगढ़ में 413 गांव और 25 ढाणियों को लाभान्वित करने के लिए 98 योजनाएं स्वीकृत : कन्हैयालाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री कन्हैया लाल ने शुक्रवार को विधानसभा में कहा कि सूरतगढ़ विधानसभा क्षेत्र में 481 आबाद ग्रामों तथा 50 चिह्नित ढ़ाणियों में से 413 गांवों तथा 25 ढाणियों को जल जीवन मिशन के तहत लाभान्वित किया गया है। कन्हैयालाल प्रश्नकाल में पूरक प्रश्नों का जवाब दे रहे थे। उन्होंने बताया कि इन गांव, ढाणियों तक जल पहुंचाने के लिए राज्य स्तरीय योजना स्वीकृति समिति द्वारा लगभग 98 योजनाओं की स्वीकृतियां जारी की गई हैं। उन्होंने कहा कि सूरतगढ़ विधानसभा क्षेत्र के लिए स्वीकृत 98 जल योजनाओं में से 35 जल योजनाएं पूर्ण की जा चुकी हैं। इनका मुख्य जल स्रोत इंदिरा गांधी नहर प्रणाली तथा भाखड़ा नहर प्रणाली पर आधारित है। शेष रही 61 जल योजनाओं का कार्य वर्तमान में प्रगति पर है तथा दो योजनाओं की निविदा सक्षम स्तर पर अनुमोदन के लिए प्रक्रियाधीन है। उन्होंने बताया कि 481 आबाद ग्रामों में से शेष 67 ग्रामों को जल जीवन मिशन के नए दिशानिर्देशों के तहत लाभान्वित किया जाना तकनीकी रूप से फिजिबल नहीं है तथा एक ग्राम विद्युत संयंत्र कॉलोनी सूरतगढ़ के माध्यम से लाभान्वित है। इसी प्रकार विधानसभा क्षेत्र सूरतगढ़ की 50 चिह्नित ढाणियों में से 25 ढाणियां ग्राम की मूल आबादी के समीप होने के कारण विभिन्न विभागीय जल योजनाओं के अंतर्गत घर-घर जल संबंधों द्वारा लाभान्वित हैं। शेष 25 ढाणियों की आबादी बिखरी,एकल घर,खेतों में बसे होने के कारण इनको लाभान्वित किया जाना तकनीकी रूप से फिजीबल नहीं है।

इससे पहले विधायक डूंगरराम गेदर के मूल प्रश्न के लिखित जवाब में उन्होंने कहा कि विधानसभा क्षेत्र सूरतगढ़ में जनवरी 2023 से गत दिसम्बर तक की अवधि में विभाग द्वारा जल जीवन मिशन तहत किसी भी कार्य की स्वीकृति जारी नहीं की गई। जल जीवन मिशन के अतिरिक्त अन्य विभागीय योजनाओं में 17 कार्यों की राशि रूपये 452.42 लाख की स्वीकृतियां जारी की गई। उन्होंने बताया कि स्वीकृत समस्त 17 कार्य पूर्ण किये जा चुके हैं। उन्होंने इन कार्यों का विवरण सदन के पटल पर रखा। उन्होंने कहा कि विधानसभा क्षेत्र सूरतगढ़ में जल जीवन मिशन योजना के तहत स्वीकृत 17 विभिन्न जल योजनाओं में जनवरी 2023 से दिसम्बर 2024 तक की अवधि में 19 उच्च जलाशयों का निर्माण कार्य पूर्ण किया गया है। उन्होंने योजनावार विवरण सदन के पटल पर रखा।

उन्होंने कहा कि इस विधानसभा क्षेत्र में जनवरी, 2023 से दिसम्बर, 2024 तक जल जीवन मिशन योजना के तहत किसी भी ढाणी में जल संबंध जारी नहीं किये गये हैं। इसके तहत स्वीकृत योजनाओं के अंतर्गत विधानसभा क्षेत्र सूरतगढ़ के विभिन्न ग्रामों में जनवरी 2023 से दिसम्बर 2024 तक की अवधि में 20 हजार 614 जल संबंध जारी किये गये हैं। उन्होंने ग्रामवार विवरण सदन के पटल पर रखा।

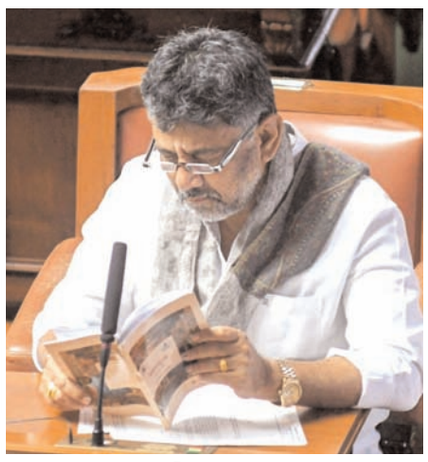

कर्नाटक सरकार का 2025-26 में 4.08 लाख करोड़ रुपये प्राप्त करने का लक्ष्य : सिद्दरामय्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने शुक्रवार को कहा कि कर्नाटक सरकार को अगले वित्त वर्ष (2025-26) में वाणिज्यिक कर और केंद्रीय अनुदान सहित विभिन्न स्रोतों से 4,08,647 करोड़ रुपये की प्राप्ति की उम्मीद है। बजट पेश करते हुए उन्होंने कहा कि अगले वित्त वर्ष में कुल राजस्व प्राप्तियां 2,92,477 करोड़ रुपये रहने का अनुमान है, जिसमें 2,08,100 करोड़ रुपये कर राजस्व, 16,500 करोड़ रुपये का गैर-कर राजस्व और 67,877 करोड़ रुपये की भारत सरकार की प्राप्तियां शामिल हैं। सिद्दरामय्या ने कहा कि 2025-26 के लिए इन राजस्व प्राप्तियों के अलावा 1.16 लाख करोड़ रुपये की सकल उधारी और 170 करोड़ रुपये की गैर-ऋण पूंजी प्राप्तियां अनुमानित हैं। वित्त वर्ष 2025-26 के लिए बजट में कुल प्राप्तियां 4,08,647 करोड़ रुपये होने का अनुमान है। कर्नाटक सरकार ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए वाणिज्यिक कर विभाग के लिए 1.2 लाख करोड़ रुपये का राजस्व लक्ष्य रखा है। साथ ही, स्टाम्प और पंजीकरण से 28,000 करोड़ रुपये, मोटर वाहन कर से 15,000 करोड़ रुपये और रॉयल्टी संग्रह से 9,000 करोड़ रुपये जुटाने का लक्ष्य रखा है। राज्य ने व्यावसायिक कर प्रशासन को और अधिक सुविधाजनक और कुशल बनाने का भी लक्ष्य रखा है।

मुख्यमंत्री ने अपने बजट भाषण में कहा, वेतन और मजदूरी पाने वालों द्वारा फरवरी माह के लिए देय व्यावसायिक कर को 200 रुपये से बढ़ाकर 300 रुपये करने के लिए व्यावसायिक कर अधिनियम में उपयुक्त संशोधन करने का प्रस्ताव है, ताकि इसे 2,500 रुपये प्रति वर्ष की अधिकतम स्वीकार्य सीमा के अनुरूप बनाया जा सके। स्टाम्प एवं पंजीयन विभाग ने संपत्ति पंजीकरण को सरल बनाने के लिए ई-खाता अनिवार्य कर दिया है। उन्होंने कहा कि इस पहल से संपत्ति धोखाधड़ी में कमी आएगी और करों से बचने के लिए संपत्तियों का कम मूल्यांकन करने की प्रवृत्ति को हतोत्साहित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इससे बिना मूल्यांकन वाली संपत्तियां भी मूल्यवान सूची में शामिल हो जाएंगी।

सिद्दरामय्या ने कहा कि सरकार दुरुपयोग और धोखाधड़ी को रोकने के लिए चालू वर्ष से गैर-पंजीकरण योग्य दस्तावेजों के लिए डिजिटल ई-स्टाम्पिंग शुरू करेगी।

कर्नाटक 'नक्सल मुक्त', नक्सल विरोधी बल को भंग किया जाएगा : मुख्यमंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने शुक्रवार को कहा कि प्रदेश नक्सल मुक्त' हो गया है और इसलिए नक्सल विरोधी बल (एएनएफ) को भंग कर दिया जाएगा। सिद्दरामय्या ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए राज्य का बजट पेश करते हुए यह घोषणा की। उन्होंने साइबर अपराध प्रभाग को मजबूत करने की भी घोषणा की। उन्होंने कहा कि राज्य के आर्थिक विकास में कानून और व्यवस्था की महत्वपूर्ण भूमिका है। सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने वालों के खिलाफ कतई बर्दाशत नहीं करने की नीति अपनाई गई है और सख्त एवं निर्णायक कार्रवाई की जा रही है।

सिद्दरामय्या ने कहा, ''हमारी सरकार के कार्यकाल के दौरान छह भूमिगत नक्सलियों ने 'नक्सल आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास कार्यक्रम समिति' के समक्ष आत्मसमर्पण किया है। इसके साथ ही कर्नाटक नक्सल मुक्त हो गया है और इसलिए नक्सल विरोधी बल को भंग कर दिया जाएगा।'' उन्होंने कहा कि आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों को सामाज की मुख्यधारा में लाया जाएगा तथा प्रभावित क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए 10 करोड़ रुपए का विशेष पैकेज तैयार किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इसके अलावा 667 करोड़ रुपये की लागत से बेंगलूरु सेफ सिटी परियोजना' को क्रियान्वित किया गया है। परियोजना के तहत, पूरे शहर में 7,500 कैमरे लगाए गए हैं, जबकि 10 ड्रोन और शरीर में धारण करने वाले 560 कैमरे उपलब्ध कराए गए हैं। उन्होंने कहा कि महिलाओं में सुरक्षा की भावना को बढ़ावा देने और अपराध की चपेट में आईं महिलाओं एवं बच्चों को तुरंत पुलिस सहायता सुनिश्चित करने के लिए शहर भर में कुल 60 महिला चौकियां स्थापित की गई हैं। सात पुलिस स्टेशन भवनों का निर्माण पूरा करके जनता को समर्पित कर दिया जाएगा।

उन्होंने कहा कि नंदी हिल्स के निकट कुडुगुरकी और केजीएफ में दो भारतीय रिजर्व बटालियन स्थापित की जाएंगी। इसके लिए 80 करोड़ रुपये का अनुदान प्रदान किया गया है। मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि जेल विभाग के अंतर्गत बुनियादी ढांचे के विकास के लिए 100 करोड़ रुपये का आवंटन किया जाएगा।

कर्नाटक में कांग्रेस सरकार का बजट तुष्टिकरण से ग्रसित और औरंगजेब से प्रेरित : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने शुक्रवार को कर्नाटक सरकार के बजट को मुसलमानों का स्पष्ट 'तुष्टीकरण' करार दिया और आरोप लगाया कि अल्पसंख्यक समुदाय के लिए इसमें किया गया प्रस्ताव राज्य में सत्तारूढ़ कांग्रेस के 'नए आइकन' औरंगजेब से प्रेरित लगता है। राज्य विधानसभा में 2025-26 के लिए बजट पेश करते हुए, कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने विभिन्न क्षेत्रों के लिए कई घोषणाएं कीं, जिसमें वक्फ संपत्तियों की मरम्मत और नवीनीकरण, बुनियादी ढांचे और मुस्लिम कब्रिस्तानों की सुरक्षा के लिए 150 करोड़ रुपये का आवंटन शामिल है।सिद्दरामय्या ने इस वित्त वर्ष में 1,000 करोड़ रुपये के परिव्यय पर मुख्यमंत्री अल्पसंख्यक कॉलोनी विकास कार्यक्रम के कार्यान्वयन के लिए एक कार्य योजना का भी प्रस्ताव दिया। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता अनिल एंटनी ने पार्टी मुख्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, कांग्रेस धीरे-धीरे लेकिन निश्चित तौर पर सामाजिक न्याय पर अपनी हर पहचान को नजरअंदाज कर रही है और अब मोहम्मद अली जिन्ना की मुस्लिम लीग के आधुनिक संस्करण के रूप में विकसित हो रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि कर्नाटक सरकार कांग्रेस के लिए 'तुष्टिकरण का उदाहरण' बन रही है। उन्होंने मुस्लिम समुदाय के लिए किए गए प्रस्तावों को स्पष्ट तुष्टिकरण' करार देते हुए कहा, ऐसा लगता है कि बजट उनके नए आइकन औरंगजेब से प्रेरित है।

भाजपा नेता ने वक्फ संपत्तियों की मरम्मत, आधारभूत संरचना और मुस्लिम कब्रिस्तानों के संरक्षण के लिए 150 करोड़ रुपये आवंटित करने के प्रस्ताव को लेकर कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि कर्नाटक सरकार ऐसे समय में यह प्रस्ताव लेकर आई है जब केंद्र सरकार वक्फ अधिनियम में संशोधन के लिए संसद में विधेयक लाने वाली है। उन्होंने कहा कि कर्नाटक सरकार ने इस मद में धन के आवंटन का प्रस्ताव ऐसे समय में दिया है जब कुल एक लाख एकड़ में से लगभग 85,000 एकड़ भूमि, अतिक्रमण के आरोपों के कारण विवादित है। उन्होंने कहा, ''इतना तुष्टिकरण क्यों? क्या कर्नाटक में अल्पसंख्यक समुदाय का मतलब केवल मुस्लिम है।'' उन्होंने मांग की कि राज्य सरकार 'तुष्टिकरण' वाले सभी कदमों को वापस ले।

स्कूलों में शिक्षण नतीजों में सुधार करना हमारी प्राथमिकता : सिद्दरामय्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने शुक्रवार को कहा कि स्कूलों में शिक्षण परिणामों को बेहतर बनाने के लिए राज्य सरकार चुनिंदा निजी संस्थानों के साथ सहयोग करेगी। विधानसभा में बजट पेश करते हुए उन्होंने कहा कि एआई-आधारित ''कलिका दीपा'' कार्यक्रम 2,000 स्कूलों के विद्यार्थियों को आत्मविश्वास के साथ कन्नड़ और अंग्रेजी भाषा सीखने और प्रारंभिक गणितीय दक्षता हासिल करने में मदद करेगा। उन्होंने कहा कि यह कार्य एक-स्टेप फाउंडेशन' के सहयोग से किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ''ज्ञान सेतु'' नामक एक अन्य सहयोगात्मक कार्यक्रम में, जिसमें स्कूल खान अकादमी के साथ मिलकर काम करेंगे, विज्ञान और गणित को नवीन तरीकों का उपयोग करके पढ़ाया जाएगा। उन्होंने कहा, इस कार्यक्रम से 5,000 सरकारी स्कूलों के 20 लाख छात्रों और 15,000 शिक्षकों को फायदा मिलेगा। उन्होंने कहा कि सरकारी स्कूलों के विद्यार्थियों को 'कोडिंग' सिखाने के लिए अगस्त्य फाउंडेशन के सहयोग से आई-कोड प्रयोगशाला की स्थापना की जाएगी। उन्होंने कहा, इस परियोजना के तहत आईसीटी सुविधाओं वाले 63 चुनिंदा स्कूलों को शामिल किया जायेगा, जिससे 756 स्कूलों को फायदा मिलेगा। सिद्दरामय्या ने कहा कि ''विद्या विजेता'' कार्यक्रम की सफलता के बाद इसे जारी रखने के लिए चालू वित्त वर्ष में पांच करोड़ रुपये और आवंटित किए जाएंगे।

लोगों को गुमराह करने वाला है कर्नाटक सरकार का बजट : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने शुक्रवार को विधानसभा में बजट पेश कर दिया है। कर्नाटक सरकार के इस बजट को लेकर भाजपा ने सवाल उठाए है। भाजपा का कहना है कि अब तक सरकार ने पिछले वादों को पूरा नहीं किया है। कर्नाटक विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलवाडी नारायणस्वामी ने कहा, सरकार ने पूर्व बजट में जो वादे किए थे, वे अब तक पूरे नहीं किए गए हैं। वे गारंटी के अलावा किसी और योजना के बारे में बात नहीं करते हैं। कर्नाटक में जीरो डेवलपमेंट है और उसके बावजूद आज सीएम ने नया बजट पेश किया है। सरकार ने पिछले दो बजट में भी कई वादे पेश किए थे और अब वे डायवर्ट करने की कोशिश कर रहे हैं।

भाजपा विधायक महेश तेंगिनाकाई ने कर्नाटक सरकार पर निशाना साधते हुए कहा, मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने इससे पहले भी दो बार बजट पेश किया था, लेकिन इसमें विकास से संबंधित कार्यों के लिए पैसा नहीं था। मेरी विधानसभा के लोग पूछ रहे हैं कि विकास के काम क्यों नहीं हो रहे हैं। इस संबंध में हमने मुख्यमंत्री से भी बात की थी। मगर उनकी तरफ से सिर्फ आश्वासन ही मिला। इस बजट में भी जनता के लिए कुछ नहीं है।

भाजपा विधायक प्रभु चौहान ने कहा, इस बजट में कुछ नहीं है, यह पूरी तरह खाली है। यह लोगों को गुमराह करने वाला बजट है, इसलिए हम विरोध कर रहे हैं। विपक्ष में होने के नाते हम जनता के मुद्दों को उठाएंगे। मैं सिर्फ यही कहूंगा कि कांग्रेस सरकार कोई काम नहीं कर रही है। यह एक धोखे वाली सरकार है। बता दें कि मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने आज कर्नाटक विधानसभा में बजट पेश किया। उन्होंने अल्पसंख्यक परिवारों को कम लागत वाली शादियों के लिए 50,000 रुपये की सहायता देने की घोषणा की। इसके अलावा जैन पुजारियों, सिखों के मुख्य ग्रंथियों और मस्जिदों के पेश-इमामों का मानदेय बढ़ाकर 6,000 रुपये प्रति माह करने का भी निर्णय लिया है।

सामाजिक, आर्थिक सवालों का सशक्त जवाब हैं कर्नाटक सरकार की योजनाएं : सिद्दरामय्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने शुक्रवार को अपना 16वां बजट पेश करते हुए सामाजिक न्याय पर जोर दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार की योजनाएं विभिन्न अंतरराष्ट्रीय मंचों पर उठाए गए कई सामाजिक और आर्थिक सवालों का सशक्त जवाब हैं।

विधानसभा में 2025-26 के लिए बजट पेश करते हुए सिद्दरामय्या ने विशेष रूप से रेखांकित किया कि पांच गारंटियां- गृह ज्योति, गृह लक्ष्मी, अन्न भाग्य, युवा निधि और शक्ति योजनाएं सिर्फ मुफ्त की चीजें नहीं हैं, बल्कि आर्थिक और सामाजिक सिद्धांतों पर किए गए रणनीतिक निवेश हैं। उन्होंने कहा, कर्नाटक सरकार की योजनाएं विभिन्न अंतरराष्ट्रीय मंचों पर उठाए गए कई सामाजिक और आर्थिक सवालों का सशक्त जवाब हैं। हमने लोगों की क्रय शक्ति बढ़ाने के उद्देश्य से कल्याणकारी कार्यक्रम शुरू किए हैं। सिद्दरामय्या ने कहा कि राज्य सरकार की जिम्मेदारी है कि वह यह सुनिश्चित करे कि उपलब्ध संसाधन सभी के लिए सुलभ हों। उन्होंने कहा, आर्थिक विकास को लोगों के कल्याण के साथ संतुलित करके हम सार्वभौमिक बुनियादी आय' की अवधारणा के माध्यम से कर्नाटक के विकास मॉडल को आकार दे रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि 'उनकी सरकार सामाजिक न्याय की नींव को सुरक्षित रखने के लिए दृढ़ संकल्पित है।'

'कर्नाटक में मल्टीप्लेक्स सहित सिनेमाघरों में फिल्म टिकट का अधिकतम मूल्य 200 रुपये होगा'

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने शुक्रवार को घोषणा की कि मल्टीप्लेक्स सहित राज्य के सभी सिनेमाघरों में फिल्म के टिकट की अधिकतम कीमत 200 रुपये सीमित की जाएगी। सिद्दरामय्या ने अपने ऐतिहासिक 16वें बजट में यह भी घोषणा की कि कर्नाटक कन्नड़ फिल्मों को बढ़ावा देने के लिए एक ओटीटी प्लेटफॉर्म भी बनाएगा।

हाल ही में, रक्षित शेट्टी और ऋषभ शेट्टी जैसे प्रमुख कन्नड़ अभिनेता-निर्माताओं ने शिकायत की थी कि कई प्रमुख ओटीटी प्लेटफॉर्म कन्नड़ 'कंटेंट' को प्रदर्शित करने में रुचि नहीं दिखा रहे हैं।संयोग से, रक्षित शेट्टी के प्रोडक्शन हाउस परमवाह स्टूडियो ने ओटीटी प्लेटफॉर्म नहीं मिलने के कारण जुलाई 2024 में एक कस्टम प्लेटफॉर्म पर अपनी कन्नड़ वेब सीरीज 'एकम' की स्ट्रीमिंग शुरू की थी। मुख्यमंत्री ने राज्य के सामाजिक, ऐतिहासिक और सांस्कृतिक मूल्यों को दर्शाने वाली फिल्मों को संरक्षित करने के लिए डिजिटल और गैर-डिजिटल दोनों प्रारूपों में कन्नड़ फिल्मों का संग्रह बनाने के लिए तीन करोड़ रुपये भी आवंटित किए हैं। सिद्दरामय्या ने हितधारकों की एक अन्य मांग पर ध्यान देते हुए कहा कि सिनेमा क्षेत्र को उद्योग का दर्जा दिया जाएगा और औद्योगिक नीति के तहत दी जाने वाली अन्य सभी सुविधाएं भी उसे प्रदान की जाएंगी। उनके अनुसार शहर के नंदिनी लेआउट में कर्नाटक फिल्म अकादमी के स्वामित्व वाली 2.5 एकड़ भूमि पर सार्वजनिक निजी भागीदारी (पीपीपी) के तहत एक मल्टीप्लेक्स मूवी थियेटर परिसर भी विकसित किया जाएगा। सिद्दरामय्या ने कहा कि मैसुरु में पीपीपी मॉडल के तहत 500 करोड़ रुपये की लागत से अंतरराष्ट्रीय स्तर की फिल्म सिटी विकसित करने के लिए 150 एकड़ जमीन सूचना एवं जनसंपर्क विभाग को हस्तांतरित कर दी गई है।

विपक्ष ने कर्नाटक के बजट में विकास के बजाय 'तुष्टिकरण' को प्राथमिकता देने पर सरकार की आलोचना की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक में विपक्षी दलों ने शुक्रवार को पेश राज्य के बजट में असल विकास के बजाय ''तुष्टीकरण को प्राथमिकता'' देने पर मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या नीत कांग्रेस सरकार की आलोचना की। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष विजयेंद्र येडीयुरप्पा ने कर्नाटक बजट 2025-26 को प्रगति नहीं, बल्कि तुष्टीकरण के लिए ''कांग्रेस का खाका'' बताते हुए आरोप लगाया कि जब किसान कर्ज और फसलों को हुए नुकसान से जूझ रहे हैं, ग्रामीण कर्नाटक सड़क, बिजली और सिंचाई की कमी से जूझ रहा है, अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति (एससी/एसटी) छात्रावासों को पर्याप्त वित्तपोषण नहीं मिल रहा, युवा कौशल विकास एवं नौकरियों से वंचित हैं, तब ऐसे समय में कांग्रेस ने असल विकास के बजाय तुष्टीकरण को प्राथमिकता दी है।

उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा कि राज्य के बजट में मौलाना आजाद विद्यालयों के लिए 500 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं, जबकि ग्रामीण सरकारी विद्यालयों को कम धन दिया जाता है। उन्होंने कहा कि केवल अल्पसंख्यकों के लिए विशेष व्यावसायिक योजनाएं हैं, जबकि एमएसएमई (सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम) और ग्रामीण उद्यमियों को कोई समर्थन नहीं मिला है। उन्होंने कहा कि रोजगार सृजन को दरकिनार करते हुए ग्रामीणों के लिए नौकरियों में कोई बड़ा निवेश नहीं किया गया, जबकि वोट बैंक की राजनीति केंद्र में है। विजयेंद्र ने आरोप लगाया कि युवाओं के लिए कौशल विकास और शिक्षा की अनदेखी की गई तथा उन्हें उद्योग के लिए तैयार करने के लिए कोई वास्तविक प्रयास नहीं किया गया।

पूर्व प्रधानमंत्री दिवंगत मनमोहन सिंह के नाम से जानी जाएगी बीसीयू : सिद्दरामय्या

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने शुक्रवार को कहा कि बेंगलूरु सिटी यूनिवर्सिटी (बीसीयू) का नाम बदलकर डॉ. मनमोहन सिंह बेंगलूरु सिटी यूनिवर्सिटी रखा जाएगा। विधानसभा में अपना 16वां बजट पेश करते हुए उन्होंने बीसीयू का नाम बदल कर पूर्व प्रधानमंत्री दिवंगत मनमोहन सिंह के नाम पर रखे जाने का ऐलान किया। उन्होंने कहा, इसे देश का एक आदर्श विश्वविद्यालय बनाने के मकसद से राजकीय कला महाविद्यालय और राजकीय आर.सी. कॉलेज को इसका घटक महाविद्यालय बनाया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि चिक्काबल्लापुर जिले के चिंतामणि तालुक में 150 करोड़ रुपये की लागत से विश्वेश्वरैया प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय का एक घटक कॉलेज स्थापित किया जाएगा और मैसूरु विश्वविद्यालय में प्रोफेसर नंजुंदास्वामी शोध पीठ की शुरुआत की जाएगी। उनके अनुसार, विश्व बैंक की मदद से अगले चार वर्षों में प्रथम श्रेणी के महाविद्यालयों में बुनियादी सरंचना को मजबूत करने और उत्कृष्टता केंद्र स्थापित करने के लिए ढाई हजार करोड़ रुपये का निवेश किया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि 26 करोड़ रुपये की लागत से 26 महिला उच्च शिक्षा संस्थानों को उन्नत किया जाएगा।

भारत सरकार, अंतरिक्ष विभाग
भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन
(निर्माण एवं अनुरक्षण प्रभाग)
इसरो टेलिमेट्रि ट्रैकिंग एवं कमांड नेटवर्क (इस्ट्रैक)
प्लाट नं. 12 एवं 13, तीसरा मेन, द्वितीय फेज,
पीण्या औद्योगिक क्षेत्र, बेंगलूरु-560058
फोन : 080-28094196/4184/4541/4542 फैक्स : 080-28094180

संक्षिप्त ई-निविदा सूचना

1. भारत के राष्ट्रपति की ओर से, समुचित वर्ग के ठेकेदरों से निम्नलिखित कार्यों के लिए नग दर ई-निविदाएं ऑनलाइन आमंत्रित आमंत्रित की जाती हैं।

एनआईटी सं	इस्ट्रैक/सीएमजी/सीओएन/सी/ईटीएन-75 2024-25 दिनांक 07.03.2025
कार्य का नाम	एमओएक्स परिसर, इस्ट्रैक, बेंगलूरु में वीआईपी सुइट और छह कमरे उपलब्ध कराने के लिए वीआईपी डाइनिंग हॉल की पहली मंजिल में खड़ा विस्तार(Vertical Extn) (सिविल, पीएच और इलेक्ट्रिकल वर्क्स)
निविदा का अनुमानित मूल्य	रु. 91.62 लाख
निविदा दस्तावेज विवरण	ई-निविदा
कार्य समापन अवधि	दो (02) माह (केवल वे निविदाकर्ता ही आवेदन करें जो निर्धारित समय के भीतर कार्य पूरा करने के इच्छुक हों)
निविदा प्रलेख डाउनलोड करने की अवधि	11.03.2025 को 14.30 बजे से 18.03.2025 को 16.30 बजे तक
बोली स्पष्टीकरण	11.03.2025 को 15.30 बजे से 18.03.2025 को 16.30 बजे तक
बोली स्पष्टीकरण के जवाब देने की अंतिम तारीख	19.03.2025 को 16.30 बजे तक
निविदा प्राप्ति की अंतिम तारीख और समय	20.03.2025 को 14.30 बजे तक
निविदा खोलने की नियत तारीख और समय	21.03.2025 को 11.30 बजे से
अग्रदाय रकम जमा (ईएमडी)	रु. 1,83,240/-

2. पात्रता मानदंड और अन्य ब्यौरे के लिए इच्छुक निविदाकार विस्तृत सूचना आमंत्रण निविदा (एनआईटी) देखें जिसे वेबसाइट www.isro.gov.in से डाउनलोड किया जा सकता है। बोली प्रपत्र औप अन्य ब्यौरे वेबसाइट www.tenderwizard.com/ISRO से डाउनलोड किए जा सकते हैं।

ह/- समूह प्रमुख- सीएमजी

सुविचार

कभी-कभी हम धागे ही इतने कमज़ोर चुन लेते हैं कि पूरी उम्र ही गाँठ बांधने में गुज़र जाती है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

क्या हम यह संकल्प लेंगे?

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने लंदन में चैथम हाउस थिंकटैंक के एक सत्र को संबोधित करते हुए जम्मू-कश्मीर से जुड़े सवाल का जो जवाब दिया, उससे रावलपिंडी और इस्लामाबाद में हंगामा हो गया। यह होना ही था। उन्होंने उचित ही कहा कि 'कश्मीर विवाद' का समाधान 'कश्मीर के चुराए गए हिस्से की वापसी के बाद होगा, जो अवैध रूप से पाकिस्तान के कब्जे में है।' यह राष्ट्रीय भावनाओं की अभिव्यक्ति है। भारत मां का मुकुट तब तक अधूरा ही है, जब तक हम पाकिस्तान और चीन द्वारा अवैध रूप से कब्जाए गए इलाके वापस नहीं ले लेते। इसमें समय लग सकता है। तब तक हमें तैयारी करनी चाहिए। कागज के नक्शे पर खींची गईं कृत्रिम रेखाएं हमारा वर्तमान और भविष्य तय नहीं कर सकतीं। यहूदी तो सदियों-सदियों तक पूरी दुनिया में घूमते रहे थे। आखिरकार उन्हें इजराइल मिल गया। उनका संकल्प दृढ़ था। इससे पहले, दुनिया के किसी भी कोने में जब दो या इससे ज्यादा यहूदी मिलते और अलविदा कहते तो संकल्प को दोहराते कि हम या हमारी पीढ़ियां, एक दिन इजराइल में मिलेंगे। उस संकल्प में कितनी दृढ़ता रही होगी! क्या हम ऐसा संकल्प ले सकते हैं? क्या हम कह सकते हैं कि एक दिन शारदा पीठ में मिलेंगे और इस रास्ते में आने वाली एलओसी को मिटा देंगे? क्या हम यह संकल्प ले सकते हैं कि एक दिन भारत मां को उसका पूर्ण मुकुट पहनाएंगे? जो कौमें दृढ़ संकल्प लेती हैं, वे सिद्धि भी प्राप्त करती हैं। पिछले पांच वर्षों में जम्मू-कश्मीर के हालात बहुत बेहतर हुए हैं। आतंकवाद पर काफी काबू पा लिया गया है। अलगाववादी संगठनों की कमर टूट गई है। उनके हिमायती हतोत्साहित हैं। फंडिंग बंद होने से पत्थरबाज भी ठंडे पड़ गए हैं। आम कश्मीरी समझ चुका है कि उसका हित तिरंगे के साए में सुरक्षित है। किशोर और युवा अपना ध्यान पढ़ाई-लिखाई में लगा रहे हैं। दूसरी ओर, पीओके में हाहाकार मचा है। वहां कभी आटे के लिए तो कभी ईंधन के लिए लंबी-लंबी लाइनें लगी रहती हैं।

पीओके के लोग सोशल मीडिया पर जम्मू-कश्मीर में विकास कार्यों और चीजों के दाम देखते हैं तो उस घड़ी को कोसते हैं, जब उनके यहां पाकिस्तान ने अवैध कब्जा किया था। कुछ परिवार, जो पूर्व में जम्मू-कश्मीर में रहते थे और पारिवारिक वजहों से पीओके चले गए, आज उनकी संतानें उनके फैसलों पर सवाल उठा रही हैं। उनके पास मौका था, जब वे पाकिस्तान के पंजे से जान छुड़ाकर जम्मू-कश्मीर की खुली हवा में सांस ले सकते थे, लेकिन उनका दुर्भाग्य रहा कि आज पाकिस्तानी फौज उनकी छाती पर मूंग दल रही है। उक्त पंक्तियों में जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के कुछ सवालों के जवाब भी हैं। हम पीओके कब वापस लेंगे? कारगिल युद्ध के समय देश के पास पीओके को लेने का मौका था, लेकिन क्यों नहीं लिया? पीओके वापस लेने का सबसे अच्छा समय तब होगा, जब वहां रहने वाले लोग पाकिस्तान के कब्जे से त्रस्त होकर आवाज बुलंद करें। इसकी कुछ झलकियां हम पूर्व में देख चुके हैं, लेकिन अभी और इंतजार करना चाहिए। पीओके के लोगों का सिर्फ इस आधार पर पाकिस्तानी कब्जे के खिलाफ खड़े हो जाना काफी नहीं है, चूंकि वहां चीजें महंगी हैं और जम्मू-कश्मीर में सस्ती हैं। उन्हें सांस्कृतिक आधार पर भारत के साथ एकजुटता दिखानी होगी। यह न भूलें कि पीओके में अब वह पीढ़ी जवान हो चुकी है, जिसके दिलो-दिमाग में पाकिस्तानी एजेंसियों और कट्टरपंथियों ने भारत के खिलाफ खूब जहर भर दिया है। कारगिल युद्ध के दौरान बेशक हमारे पास मौका था कि भारतीय सेना पीओके में दाखिल हो और कब्जा कर ले। जब पीओके की बात होती है तो इसका मतलब सिर्फ जमीन नहीं है, वहां के लोग भी हैं। पाकिस्तान ने पीओके में बड़ी संख्या में आतंकवादियों और कट्टरपंथियों को बसा रखा है। अगर ऐसे लोग इधर आते तो कई समस्याएं खड़ी करते। याद करें, इराक, सीरिया, अफगानिस्तान जैसे देशों से आम शरणार्थियों के साथ कई आतंकवादी भी यूरोप चले गए थे। आज वे कहीं धमाका कर रहे हैं, कहीं आम लोगों को चाकू मार रहे हैं, कहीं भीड़ पर ट्रक चढ़ा रहे हैं, कहीं आराधना स्थलों में तोड़फोड़ कर रहे हैं। पीओके लेने से पहले आतंकवाद का पूरी तरह खात्मा करना जरूरी है। अभी जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद खात्मे की ओर है। उसके बाद पीओके में पल रहे आतंकवादियों का नंबर आएगा। भारत मां का मुकुट जरूर अखंड बनाएंगे। क्या हम यह संकल्प लेंगे?

ट्वीटर टॉक

राजस्थान विधान सभा के पूर्व अध्यक्ष महारावल लक्ष्मण सिंह जी की जयंती पर सविनय नमन। प्रदेश की विधायी परंपराओं को सुदृढ़ बनाने के साथ ही राजनीति और समाज कल्याण के क्षेत्र में उनका योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा।

-ओम बिरला

दुनिया के सभी लोगों ने भारत के आर्थिक जगत को सराहा है,लेकिन कांग्रेस वाले बेरोजगारी-बेरोजगारी कह रहे हैं। आज हम 11वें नंबर की अर्थव्यवस्था से दुनिया की 5वें नंबर की अर्थव्यवस्था बने हैं और तीसरे नंबर की अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर हैं।

-जेपी नड्डा

मैं स्वयं एक किसान हूं, हर महीने अनिवार्य रूप से अपने खेत पर जाता हूं और खेती करता हूं। कृषि जीवन का आधार है। फल, सब्जी और अनाज कोई मशीन बना नहीं सकती, वो तो खेत में किसान ही पैदा कर सकता है। अर्थव्यवस्था का आधार भी खेती और किसानी है।

-शिवराजसिंह चौहान

प्रेरक प्रसंग

जीवन के खजाने

एक बार एक दादी अपनी पोती को सलाह देते हुए बोली, 'बिटिया, अपनी ज़िन्दगी में कभी तीन चीज़ों को छोड़ना मत, सबसे खूबसूरत कपड़े पहनना, सबसे अद्भुत जगहों पर यात्रा करना और सबसे कीमती खजाने रखना।' पोती हैरान होकर बोलीं, 'पर दादी, हम अमीर नहीं हैं। मैं यह कैसे कर सकती हूं?' समझदार दादी मुस्कुराई और बोलीं, 'अगर तुम अपने कपड़े आत्मविश्वास और खुशी के साथ पहनोगी तो साधारण कपड़े भी सबसे सुंदर लगेंगे। अगर तुम अपने आसपास की दुनिया को जिज्ञासा और आश्चर्य के साथ देखोगी, तो हर जगह एक अद्भुत जगह बन जाएगी। इसी प्रकार अगर तुम अपने प्यारे रिश्तों और यादों को संजोने लगोगी, तो तुम सबसे कीमती खजाने की मालिक बन जाओगी।' पोती की आंखों में समझ की चमक आ गई और उसने अपनी दादी को गले लगा लिया।

सामयिक

अब महिलाओं के प्रति बदलना होगा नजरिया

आज अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस है

रमेश सर्राफ धमोरा

मोबाइल : 9414255034

भारत वह देश है जहां महिलाओं की सुरक्षा और इज्जत का खास ख्याल रखा जाता है। अगर हम इक्कीसवीं सदी की बात करे तो यहां की महिलाएं हर क्षेत्र में पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिला काम कर रही है। अब तो भारत की संसद ने भी महिलाओं के लिये लोकसभा व विधानसभाओं में 33 प्रतिशत आरक्षण का विधेयक पास कर दिया है। उससे आने वाले समय में भारत की राजनीति में महिलाओं की भूमिका अधिक महत्वपूर्ण हो जायेगी। देश में महिलाओं को अब सेना में भी महत्वपूर्ण पदो पर तैनात किया जाने लगा है। जो महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक बड़ा कदम है।

यहां महिलाओं को पुरुषों के बराबर अधिकार है। महिलायें देश की आधी आबादी का प्रतिनिधित्व करती है तथा विकास में भी बराबर की भागीदार है। आज के युग में महिला पुरुषों के साथ ही नहीं बल्कि उनसे दो कदम आगे निकल चुकी है। महिलाओं के बिना समाज की कल्पना भी नहीं की जा सकती है। भारतीय संविधान के अनुसार महिलाओं को भी पुरुषों के समान जीवन जीने का हक है। भारत में नारी को देवी के रूप में देखा गया है। कहा जाता है कि जहां नारी की पूजा होती है वहां देवता निवास करते हैं। प्राचीन काल से ही यहां महिलाओं को समाज में विशिष्ट आदर एवं सम्मान दिया जाता है।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस हर साल 8 मार्च 1911 से पूरे विश्व में मनाया जाता है। जिसका उद्देश्य महिलाओं की सामाजिक, सांस्कृतिक, आर्थिक और राजनीतिक उपलब्धियों का जश्न मनाना है। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 2025 का थीम है कार्रवाई में तेज़ी लाना। वर्ष की 2025 थीम में सभी महिलाओं और लड़कियों के लिए अधिकार, समानता, सशक्तिकरण होगी। जो वैश्विक स्तर पर महिलाओं और लड़कियों की प्रगति को रोकने वाली प्रणालीगत बाधाओं को तोड़ने के लिए समावेशन और तत्काल कार्रवाई की आवश्यकता पर प्रकाश डालती

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के ताजा आंकड़ों के मुताबिक साल 2023 में भारत में महिलाओं के खिलाफ कुल 4,05,861 अपराध दर्ज किए गए। इन अपराधों में बलात्कार, छेड़छाड़, दहेज उत्पीड़न, घरेलू हिंसा, यौन उत्पीड़न, साइबर अपराध, और अपहरण जैसे गंभीर अपराध शामिल हैं। इनमें सबसे ज्यादा मामले घरेलू हिंसा और यौन उत्पीड़न के सामने आए हैं। जो समाज में महिलाओं की सुरक्षा के प्रति हमारी उदासीनता को दर्शाते हैं। इससे पहले 2022 में 4,45,256 मामले, 2021 में 4,28,278 मामले 2020 में 3,71,503 मामले दर्ज किए गए थे।

> **राष्ट्रीय महिला आयोग की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक 2023 में महिलाओं के खिलाफ अपराध के मामले में उत्तर प्रदेश सबसे आगे रहा। राष्ट्रीय महिला आयोग की तरफ से जारी आंकड़ों के मुताबिक देश भर से पूरे साल में महिलाओं के खिलाफ अपराध की 28,811 शिकायतें मिलीं। इसमें 16 हजार से ज्यादा मामले उत्तर प्रदेश राज्य से आए हैं। आंकड़े हैरान कर देने वाली हैं। क्योंकि आयोग में ये शिकायत गरिमा के अधिकार कैटेगरी के अंतर्गत दर्ज किया गया है।**

एनसीआरबी के आंकड़ों के मुताबिक प्रति एक लाख आबादी पर महिला अपराध की दर 66.4 फीसदी रिकॉर्ड की गई। ऐसे मामलों में आरोप पत्र दायर करने की दर 75.8 फीसदी रही। एनसीआरबी ने बताया कि भारतीय दंड संहिता के तहत महिलाओं के खिलाफ सबसे ज्यादा 31.4 फीसदी जुर्म पति या उसके रिश्तेदारों की क्रूरता किए जाने के थे। इसके बाद अपहरण के 19.2 फीसदी, शील भंग करने के इरादे से महिलाओं पर हमले के 18.7 फीसदी और दुष्कर्म के 7.1 फीसदी मामले रहे। एनसीआरबी के मुताबिक पिछले साल देश में जितने मामले सामने आए उनमें से 2,23,635 यानी 50 फीसदी उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान, पश्चिम बंगाल और मध्य प्रदेश में दर्ज किए गए। उत्तर प्रदेश में 2021 में महिला अपराध के 56,083 और और 2020 में 49,385 मामले दर्ज किए थे। इसके बाद राजस्थान (40,738 और 34,535), महाराष्ट्र (39,526 और 31,954), पश्चिम बंगाल (35,884 और 36,439) और मध्य प्रदेश (30,673 और 25,640) रहे थे।

भारत में वर्षो से महिला सुरक्षा से जुड़े कई कानून बने है। इसमें हिंदू विडो रीमैरिज एक्ट 1856, इंडियन पीनल कोड 1860, मैटरनिटी बेनिफिट एक्ट 1861, क्रिस्चियन मैरिज एक्ट 1872, मैरिड वीमेन प्रॉपर्टी एक्ट 1874,चाइल्ड मैरिज एक्ट 1929, स्पेशल मैरिज एक्ट 1954, हिन्दू मैरिज एक्ट 1955, फॉरेन मैरिज एक्ट 1969, इंडियन डाइवोर्स एक्ट 1969, मुस्लिम वुमन प्रोटेक्शन एक्ट 1986, नेशनल कमीशन फॉर वुमन एक्ट 1990, सेक्सुअल हर्रास्मेंट ऑफ वुमन एट वर्किंग प्लेस एक्ट 2013 आदि। इसके अलावा 7 मई 2015 को लोक सभा ने और 22 दिसम्बर 2015 को राज्य सभा ने जुवेनाइल जस्टिस बिल में भी बदलाव किया है। इसके अन्तर्गत यदि कोई 16 से 18 साल का किशोर जघन्य अपराध में लिप्त पाया जाता है तो उसे भी कठोर सजा का प्रावधान है।

राष्ट्रीय महिला आयोग की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक 2023 में महिलाओं के खिलाफ अपराध के मामले में उत्तर प्रदेश सबसे आगे रहा। राष्ट्रीय महिला आयोग की तरफ से जारी आंकड़ों के मुताबिक देश भर से पूरे साल में महिलाओं के खिलाफ अपराध की 28,811 शिकायतें मिलीं। इसमें 16 हजार से ज्यादा मामले उत्तर प्रदेश राज्य से आए हैं। आंकड़े हैरान कर देने वाली हैं। क्योंकि आयोग में ये शिकायत गरिमा के अधिकार कैटेगरी के अंतर्गत दर्ज किया गया है। इसके बाद दूसरे नंबर पर राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में 2,411 मामले दर्ज किए गए। महाराष्ट्र में 1,343, बिहार में 1,312 और मध्य प्रदेश में 1,165 इतने मामले दर्ज किए गए हैं।

वर्ष 2023 के 12 महीने बाद जारी किए गए इस रिपोर्ट में महिलाओं के प्रति हो रहे अपराध में दहेज उत्पीड़न और दुष्कर्म जैसे अपराध दर्ज किए गए हैं। राष्ट्रीय महिला आयोग की यह रिपोर्ट महिलाओं के प्रति पुलिस की उदासीनता दिखाती है। आंकड़ों के मुताबिक देश भर में यौन उत्पीड़न के 805 मामले, साइबर अपराध के 605 मामले, पीछा करने की 472 मामले और सम्मान से जुड़े अपराध के खिलाफ 409 शिकायतें दर्ज कराई गईं। आंकड़ों के मुताबिक, महिलाओं के खिलाफ अपराधों में बलात्कार के मामले भी शामिल हैं। साल 2023 में बलात्कार और बलात्कार के प्रयास के 1,537 मामले दर्ज किए गए। इसके बाद गरिमा के अधिकार के तहत 8,540, घरेलू हिंसा के 6,274, दहेज उत्पीड़न के 4,797, छेड़छाड़ के 2,349,और महिलाओं के प्रति पुलिस की उदासीनता के 1,618 मामले दर्ज किए गए। वर्ष 2023 में महिलाओं के खिलाफ अपराध के मामले 2022 की तुलना में कम हुए हैं। 2022 में महिलाओं के खिलाफ अपराध के 30,864 मामले दर्ज किए गए थे। जबकि 2023 में यह संख्या घटकर 28,278 हो गई। यह एक सकारात्मक संकेत है लेकिन अभी भी बहुत कुछ किया जाना बाकी है। साल 2022 के बाद से शिकायतों की संख्या में कमी देखी गई है। जब 30,864 शिकायतें प्राप्त हुई थी, जो 2014 के बाद से सर्वाधिक आंकड़ा था। जहां तक बात महिलाओं की सुरक्षा की आती है तो पिछले कुछ वर्षों में भारत ने अभूतपूर्व निर्णयों से महिलाओं की सुरक्षा के लिए कई प्रबंध किये हैं। आज भारत में महिलायें पहले की अपेक्षा ज्यादा सुरक्षित है।

हम एक तरफ महिलाओं को हर क्षेत्र में बराबरी का दर्जा देकर उन्हे आगे बढ़ा रहें है। वहीं दूसरी तरफ उनके साथ अत्याचार की घटनाओं में भी लगातार बढ़ोतरी हो रही है। आये दिन हमें महिलाओं के साथ बलात्कार, दुर्व्यवहार होने की घटनाये सुनने को मिलती रहती है।

ऐसी घटनाओं से महिला सशक्तिकरण के अभियान को धक्का लगता हैं। देश में महिलाओं के प्रति खराब होते माहौल को बदलने की जिम्मेदारी सिर्फ सरकार की ही नहीं अपितु हर आम आदमी की भी है। हम सभी को आगे आकर महिला सुरक्षा की लड़ाई में महिलाओं का साथ देना होगा तभी देश की मातृ शक्ति सर उठा कर शान से चल सकेगीं। अब महिलाओं को समझना होगा कि आज समाज में उनकी दयनीय स्थिति समाज में चली आ रही परम्पराओं का परिणाम है। इन परम्पराओं को बदलने का बीड़ा स्वयं महिलाओं को ही उठाना होगा। तभी समाज में उनके प्रति सोच बदल पायेगी।

नजरिया

जहां तक पीड़िताओं को न्याय दिलाने की बात है तो इसके लिए फास्ट ट्रैक कोर्ट की मांग काफी समय से उठती रही है किन्तु हमारा सिस्टम कछुआ चाल से रेंग रहा है। ऐसे मामलों में कठोरता बरतने के साथ-साथ त्वरित न्याय प्रणाली की भी सख्त जरूरत है ताकि महिला अपराधों पर अंकुश लग सके। आज अगर समाज में शिक्षा के प्रचार-प्रसार के बावजूद महिलाओं के प्रति अपराध और संवेदनहीनता के मामले बढ़ रहे हैं तो हमें यह जानने के प्रयास करने होंगे कि कमी हमारी शिक्षा प्रणाली में है या कारण कुछ और हैं।

बलात्कार और हिंसा पर कब टूटेगी समाज की चुप्पी?

योगेश कुमार गोयल

मोबाइल : 9416740584

दुनियाभर में प्रतिवर्ष 8 मार्च को 'अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस' मनाया जाता है, जो सही मायनों में महिलाओं की सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक उपलब्धियों का जश्न मनाने वाला एक वैश्विक दिवस है। यह दिन लैंगिक समानता में तेजी लाने के लिए कार्रवाई के आह्वान का भी प्रतीक है। हालांकि चिंता का विषय यही है कि जिस 'आधी दुनिया' के प्रति सम्मान प्रदर्शित करने के लिए यह दिवस मनाया जाता है, उसी आधी दुनिया को जीवन के हर मोड़ पर भेदभाव या अपराधों का सामना करना पड़ता है। यदि इसे भारत के ही संदर्भ में देखें तो शायद ही कोई दिन ऐसा बीतता हो, जब आधी दुनिया' से जुड़े अपराधों के मामले देश के कोने-कोने से सामने न आते हों। होता सिर्फ यही है कि जब भी कोई बड़ा मामला सामने आता है तो हम सिर्फ पुलिस-प्रशासन को कोसने और संसद से लेकर सड़क तक कैंडल मार्च निकालने या अन्य किसी प्रकार से विरोध प्रदर्शन करने की रस्म अदायगी करके शांत हो जाते हैं और पुनः तभी जागते हैं, जब ऐसा ही कोई बड़ा मामला पुनः सुर्खियां बनता है, अन्यथा ऐसी छोटी-मोटी घटनाएं तो आए दिन होती ही रहती हैं।

देश में कानूनों में सख्ती, महिला सुरक्षा के नाम पर बीते कुछ वर्षों में कई तरह के कदम उठाने और समाज में आधी दुनिया' के आत्मसम्मान को लेकर बढ़ती संवेदनशीलता के बावजूद आखिर ऐसे क्या कारण हैं कि बलात्कार के मामले हों या छेड़छाड़ अथवा मर्यादा हनन या फिर अपहरण अथवा क्रूरता, आधी दुनिया' के प्रति अपराधों का सिलसिला थम नहीं रहा है? इसका एक बड़ा कारण तो यही है कि कड़े कानूनों के बावजूद असामाजिक तत्वों पर वो कड़ी कार्रवाई नहीं हो रही है, जिसके वो हकदार हैं और इसके अभाव में हम ऐसे अपराधियों के मन में भय पैदा करने में असफल हो रहे हैं। कहना गलत नहीं होगा कि महज कानून कड़े कर देने से ही महिलाओं के प्रति हो रहे अपराध थमने से रहे, जब तक उनका ईमानदारीपूर्वक कड़ाई से पालन न किया जाए। ऐसे मामलों में पुलिस-प्रशासन की भूमिका भी अनेक अवसरों पर संदिग्ध रहती है। पुलिस किस प्रकार ऐसे अनेक मामलों में पीड़िताओं को ही परेशान करके उनके जले पर नमक छिड़कने का कार्य करती है, ऐसे उदाहरण अक्सर सामने आते रहे हैं। ऐसी परिस्थितियों के मद्देनजर अपराधियों के मन में पुलिस और कानून का भय कैसे उत्पन्न होगा और कैसे महिलाओं के प्रति हो रहे अपराधों में कमी की उम्मीद की जाए? जरूरत इस बात की महसूस की जाने लगी है कि पुलिस को लैंगिक दृष्टि से संवदेनशील बनाया जाए ताकि पुलिस पीड़ित पक्ष को पर्याप्त संबल प्रदान करे और पीड़िताएं अपराधियों के खिलाफ खुलकर खड़ा होने की हिम्मत जुटा सकें, साथ ही जांच एजेंसियों और न्यायिक तंत्र से भी ऐसे मामलों में तत्परता से कार्रवाई की अपेक्षा की जानी चाहिए। ऐसी घटनाओं पर अंकुश के लिए समय की मांग यही है कि सरकारें मशीनरी को चुस्त-दुरूस्त बनाने के साथ-साथ प्रशासन की जवाबदेही सुनिश्चित करें कि यदि उनके क्षेत्र में महिलाओं के प्रति हो रहे अपराधों के मामलों में कानून का अनुपालन सुनिश्चित नहीं हुआ तो उन पर सख्त कार्रवाई की जाए।

दिनदहाड़े सामने आती छेड़छाड़, अपहरण, बलात्कार या सामूहिक दुष्कर्म जैसी घटनाएं सभ्य समाज के माथे पर बदनुमा दाग के समान हैं और यह कहना असंगत नहीं होगा कि महज कड़े कानून बना देने से ही महिला उत्पीड़न की घटनाओं पर अंकुश नहीं लगने वाला। आए दिन देशभर में हो रही इस तरह की घटनाएं हमारी सभ्यता की पोल खोलने के लिए पर्याप्त हैं। इस तथ्य को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता कि बलात्कार और छेड़छाड़ के आए दिन जो मामले सामने आ रहे हैं, उनमें बहुत से ऐसे भी होते हैं, जिनमें पीड़िता के परिजन, निकट संबंधी या परिचित ही आरोपी होते हैं। दिल्ली पुलिस द्वारा जारी आंकड़ों में तो यहां तक कहा जा चुका है कि करीब 97 फीसदी मामलों में महिलाएं अपनों की ही शिकार होती हैं और यह समस्या सिर्फ दिल्ली तक ही सीमित नहीं है बल्कि महिला अपराधों के मामले में पूरी दुनिया की यही तस्वीर है। जहां देश में हर 53 मिनट में एक महिला यौन शोषण की शिकार होती है और हर 28 मिनट में अपहरण का मामला सामने आता है, वहीं संयुक्त राष्ट्र के आंकड़ों के अनुसार दुनिया में प्रत्येक तीन में से एक महिला का कभी न कभी शारीरिक शोषण होता है। दुनिया में करीब 71 फीसदी महिलाएं शारीरिक मानसिक प्रताड़ना अथवा यौन शोषण व हिंसा की शिकार होती हैं, दक्षिण अफ्रीका में हर छह घंटे में एक महिला को उसके साथी द्वारा ही मौत के घाट उतार दिया जाता है और अमेरिका में भी इसी प्रकार कई महिलाएं हर साल अपने ही परिचितों द्वारा मार दी जाती हैं।

जहां तक पीड़िताओं को न्याय दिलाने की बात है तो इसके लिए फास्ट ट्रैक कोर्ट की मांग काफी समय से उठती रही है किन्तु हमारा सिस्टम कछुआ चाल से रेंग रहा है। ऐसे मामलों में कठोरता बरतने के साथ-साथ त्वरित न्याय प्रणाली की भी सख्त जरूरत है ताकि महिला अपराधों पर अंकुश लग सके। आज अगर समाज में शिक्षा के प्रचार-प्रसार के बावजूद महिलाओं के प्रति अपराध और संवेदनहीनता के मामले बढ़ रहे हैं तो हमें यह जानने के प्रयास करने होंगे कि कमी हमारी शिक्षा प्रणाली में है या कारण कुछ और हैं। ऐसे कृत्यों में लिप्त रहने वाले लोगों की कुंठित मानसिकता के कारणों की पड़ताल करना भी बहुत जरूरी है, साथ ही सामाजिक मूल्यों का विकास करने के लिए विद्यालयों में नैतिक शिक्षा को लागू करना और छात्रों को अच्छा साहित्य पढ़ने के लिए प्रेरित करना समय की मांग है ताकि युवाओं की नकारात्मक सोच को परिवर्तित करने में मदद मिल सके, जिससे स्थिति में सुधार की उम्मीद की जा सके।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

'मुडा' मामले में सिद्दरामय्या की पत्नी और मंत्री को जारी समन रद्द

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए/मुडा) भूमि आवंटन मामले में मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या की पत्नी पार्वती बी. एम को जारी प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के समन को शुक्रवार को रद्द कर दिया। अदालत ने शहरी विकास मंत्री बी.एस. सुरेश को जारी समन भी रद्द कर दिया, जिनका नाम आरोपी के रूप में नहीं था, लेकिन उन्हें ईडी ने पूछताछ के लिए बुलाया था।

न्यायमूर्ति एम नागप्रसन्ना ने ईडी की कार्रवाई को चुनौती देने वाली पार्वती और सुरेश की याचिकाओं पर फैसला सुनाया। इससे पहले अदालत ने 27 जनवरी को समन पर रोक लगा दी थी। पार्वती के वकील वरिष्ठ अधिवक्ता संदेश चौटा ने दलील दी कि मामले की जांच लोकायुक्त पुलिस और विशेष जांच दल (एसआईटी) द्वारा पहले से ही की जा रही है, इसके बावजूद ईडी समानांतर जांच कर रही है।

इस बीच, ईडी का प्रतिनिधित्व कर रहे भारत के अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल (एएसजी) अरविंद कामथ ने दलील दी कि पार्वती इस अपराध में दूसरी आरोपी थीं और उन्होंने अपराध से धन अर्जित किया था। मंत्री सुरेश के वकील वरिष्ठ अधिवक्ता सी.वी. नागेश ने कहा कि उनके मुवक्किल इस मामले में आरोपी नहीं हैं, इसलिए उन्हें तलब नहीं किया जाना चाहिए था।

एएसजी कामथ ने हालांकि इसका विरोध करते हुए कहा कि धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) ईडी को दस्तावेज और रिकॉर्ड प्राप्त करने के लिए व्यक्तियों को बुलाने का अधिकार देता है, भले ही उनका नाम आरोपी के रूप में न हो। सिद्दरामय्या भी एमयूडीए द्वारा उनकी पत्नी पार्वती को 14 स्थलों के आवंटन में अनियमितता के आरोपों का सामना कर रहे हैं। सिद्दरामय्या, उनकी पत्नी, रिश्तेदार बी एम मल्लिकार्जुन स्वामी, देवराजू – जिनसे स्वामी ने जमीन खरीद कर पार्वती को उपहार में दी थी और अन्य का नाम मैसूरु स्थित लोकायुक्त पुलिस प्रतिष्ठान द्वारा 27 सितंबर, 2024 को दर्ज की गई प्राथमिकी में है।

ईडी ने 30 सितंबर को लोकायुक्त की प्राथमिकी का संज्ञान लेते हुए मुख्यमंत्री और अन्य के खिलाफ मामला दर्ज करने के लिए प्रवर्तन मामला सूचना रिपोर्ट (ईसीआईआर) दायर की थी। लोकायुक्त पुलिस ने हालांकि पिछले महीने सिद्दरामय्या, पार्वती और दो अन्य आरोपियों को इस मामले में क्लीन चिट दे दी थी और कहा था कि सबूतों के अभाव में पहले चार आरोपियों के खिलाफ आरोप साबित नहीं हुए हैं। ईडी ने धन शोधन निवारण अधिनियम, 2002 के तहत जांच के बाद 17 जनवरी को जारी अपने कुर्की आदेश में आरोप लगाया था कि सिद्दरामय्या और अन्य आरोपी एमयूडीए भूमि आवंटन मामले में धन शोधन के प्रयास में शामिल थे।

एमयूडीए मामले में आरोप है कि दूरदराज के एक गांव में एमयूडीए द्वारा जमीन अधिग्रहण के बदले में पार्वती को मैसूरु के महंगे इलाके में अपेक्षाकृत अधिक मूल्य के भूखंड आवंटित किए गए थे। एमयूडीए ने पार्वती को उनकी 3.16 एकड़ भूमि के बदले 50:50 अनुपात योजना के तहत भूखंड आवंटित किए थे। इस विवादास्पद योजना के तहत, एमयूडीए ने अधिगृहीत अविकसित भूमि के बदले में भूमालिकों को 50 प्रतिशत विकसित भूमि आवंटित की थी। आरोप है कि मैसूरु तालुक में कसाबा होबली के कसारे गांव में इस 3.16 एकड़ भूमि पर पार्वती का कोई कानूनी अधिकार नहीं था।

अमित शाह ने श्री विश्वेश तीर्थ मेमोरियल अस्पताल का उद्घाटन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को यहां मराठाहल्ली में श्री विश्वेश तीर्थ मेमोरियल अस्पताल का उद्घाटन किया, जिसे 60 करोड़ रुपये की लागत से दो एकड़ भूमि पर बनाया गया है। श्री विश्वेश तीर्थ मेमोरियल अस्पताल, श्री कृष्ण सेवाश्रम ट्रस्ट की एक इकाई है। शाह ने इस अवसर पर संबोधित करते हुए कहा कि 150 बिस्तरों वाला यह मल्टी-स्पेशलिटी अस्पताल गरीबों और समाज के वंचित वर्गों के लिए मुफ्त इलाज के लिए एक आधुनिक केंद्र के रूप में काम करेगा तथा आने वाले कई वर्षों तक लोगों की सेवा करेगा।

उन्होंने केंद्र सरकार द्वारा चलाए गए विभिन्न स्वास्थ्य अभियानों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जब तक धार्मिक और सेवा-उन्मुख संगठन सक्रिय रूप से अपना प्रचार नहीं करेंगे, तब तक वे सफल नहीं होंगे। शाह ने इस बात पर जोर दिया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पिछले 10 वर्षों में लोगों के स्वास्थ्य और सेहत पर बहुत ध्यान दिया है। उन्होंने कहा कि 'स्वच्छ भारत अभियान, फिट इंडिया मूवमेंट', पोषण मिशन, मिशन इंद्रधनुष, आयुष्मान भारत योजना और जल जीवन मिशन जैसी पहल स्वस्थ भारत अभियान के विभिन्न घटक हैं। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि स्वच्छता से स्वास्थ्य का प्रबंधन किया जा सकता है, फिटनेस से स्वास्थ्य को चिरस्थायी बनाया जा सकता है और केवल पौष्टिक व संतुलित भोजन ही मानव शरीर को स्वस्थ रख सकता है। शाह ने इस बात पर प्रकाश डाला कि श्री श्री विश्वेशतीर्थ के नेतृत्व में, उडुपी स्थित पेजावर मठ ने राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देने, जबरन धर्मांतरण को रोकने, राम मंदिर आंदोलन का समर्थन करने और सनातन धर्म की सेवा करके पूरे देश में एक सम्मानित स्थान अर्जित किया है। उन्होंने दक्षिण भारत में हिंदू समाज को जातियों में विभाजित होने से रोकने में महत्वपूर्ण योगदान के लिए विश्वेशतीर्थ स्वामी की भी सराहना की। शाह ने मल्टी-स्पेशियलिटी अस्पताल के बारे में कहा, इस अस्पताल में 60 प्रतिशत बिस्तर गरीबों के लिए आरक्षित हैं और कई अत्याधुनिक सेवाओं से सुसज्जित है। सब्सिडी के साथ गरीब मरीजों की सेवा करने की इस परियोजना को सीटी स्कैन, एमआरआई, डायलिसिस और अल्ट्रासाउंड जैसी आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं के साथ जोड़ा गया है। उन्होंने कहा, अस्पताल एक ही छत के नीचे गरीब मरीजों को बहुत जरूरी और उच्च श्रेणी की स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करेगा। मुझे पूरा विश्वास है कि श्री कृष्ण सेवाश्रम ट्रस्ट हमेशा समाज की बेहतरी और गरीबों के कल्याण के लिए काम करता रहेगा।

'नसीब' साइन करने से डर गयी थी हेमा मालिनी

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड की ड्रीम गर्ल हेमा मालिनी ने बताया है कि वह सुपरहिट फिल्म नसीब साइन करने से डर गयी थी। सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविज़न का पॉपुलर सिंगिंग रियलिटी शो 'इंडियन आइडल 15' इस बार होली के रंगों से सराबोर एक खास एपिसोड लेकर आ रहा है। इस विशेष एपिसोड में ड्रीम गर्ल हेमा मालिनी स्पेशल जज के रूप में नजर आएंगी। उनके साथ इस रंगीन उत्सव में जज श्रेया घोषाल, विशाल ददलानी और बादशाह भी शामिल होंगे, जबकि अभिजीत सावंत और मियांग चांग शो को होस्ट करेंगे। शो की खास कंटेस्टेंट रितिका, जिन्हें प्यार से 'आइडल की बसंती' कहा जाता है, मशहूर गाने 'मेरे नसीब में' की शानदार प्रस्तुति देंगी। उनके एक्सप्रेशन्स और गायकी से प्रभावित होकर श्रेया घोषाल कहती हैं, मैं इसे ड्रामा क्वीन कहती हूं क्योंकि यह गाने के भाव को बेहद खूबसूरती से पकड़ती है। इस परफॉर्मेंस के बाद बादशाह ने हेमा मालिनी से सुपरहिट फिल्म 'नसीब' में काम करने के अनुभव के बारे में पूछा।

हेमा मालिनी ने मल्टी-स्टार कास्ट वाली फिल्म नसीब में शामिल होने को लेकर अपनी शुरुआती झिझक का खुलासा किया। उन्होंने कहा, जब मुझे मल्टी-स्टार कास्ट फिल्म में रोल ऑफर किया गया तो मैं डर गई थी। लेकिन इसके बाद कोई दिक्कत नहीं हुई। हमारा लक्ष्य एक साल के भीतर फिल्म को पूरा करना था, लेकिन सभी कलाकार व्यस्त थे। अमित जी, ऋषि कपूर, रीना रॉय, अमजद अली खान जी, शत्रुघ्न सिन्हा, यहां तक कि सहायक कलाकार भी व्यस्त थे। उन दृश्यों को शूट करना बहुत मुश्किल था जहां सभी एक साथ थे क्योंकि हम सभी की एक ही समय में कई फिल्मों की शूटिंग चल रही थी। हमें यात्रा करनी थी, लेकिन निर्माता और टीम की बदौलत हम बहुत अच्छे से कामयाब रहे और मुझे लगता है कि यह फिल्म एक साल में पूरी हो गई। 'इंडियन आइडल 15' का यह खास एपिसोड सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन और सोनी लिव पर इस शनिवार और रविवार रात 8:30 बजे प्रसारित होगा।

कर्नाटक में सरकारी स्कूलों में सप्ताह में छह दिन मिलेंगे अंडे और केले : सिद्दरामय्या

बेंगलूरु। स्कूल प्रशासन द्वारा सप्ताह में छह दिन मध्याह्न भोजन में अंडे दिए जाने से उपस्थिति में उल्लेखनीय सुधार होने की बात कहने के बाद कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने शुक्रवार को घोषणा की कि उनकी सरकार आगामी वर्ष में भी 1,500 करोड़ रुपये का निवेश जारी रखेगी। विधानसभा में बजट पेश करते हुए उन्होंने कहा, 53 लाख स्कूली बच्चों में कुपोषण को कम करने के लिए उन्हें सप्ताह में दो दिन अंडे/केले दिए जा रहे थे, जिसे अजीम प्रेमजी फाउंडेशन के सहयोग से 1,500 करोड़ रुपये की लागत से बढ़ाकर सप्ताह में छह दिन कर दिया गया है। यह कार्यक्रम 2025-26 में भी जारी रहेगा। उन्होंने यह भी कहा कि गर्म दूध में मिलाकर रागी स्वास्थ्य पाउडर अब तक स्कूली बच्चों को सप्ताह में तीन दिन वितरित किया जाता था, जिसे सप्ताह में पांच दिन दिया जाएगा और इसकी कुल लागत 100 करोड़ रुपये होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस परियोजना लागत का 25 प्रतिशत हिस्सा राज्य सरकार द्वारा वहन किया जाएगा।

कर्नाटक में लोकायुक्त के छापों में आठ सरकारी अधिकारियों की 36.53 करोड़ की संपत्ति का पता चला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक में लोकायुक्त के जांच दलों ने आय के ज्ञात स्रोतों से अधिक संपत्ति अर्जित करने के आरोप में बृहस्पतिवार को आठ सरकारी अधिकारियों से संबंधित परिसरों पर छापे मारे।

छापेमारी में 36.53 करोड़ रुपये की संपत्ति का पता चला, जिसमें 26.47 करोड़ रुपये की अचल संपत्ति, 3.73 करोड़ रुपये के आभूषण और 3.08 करोड़ रुपये के वाहन आदि शामिल हैं।

लोकायुक्त सूत्रों के अनुसार, बेंगलूरु, कोलार, तुमकुरु, कलबुर्गी, विजयपुरा, दावणगेरे और बागलकोट जिलों में आरोपी अधिकारियों से संबंधित 40 परिसरों की तलाशी ली गयी। जिन अधिकारियों के यहां छापेमारी की गई उनमें बेंगलूरु में कार्मिक एवं प्रशासनिक सुधार विभाग में ग्रुप ए' के तहत मुख्य अभियंता टी डी नंजुंदप्पा, बृहद बेंगलूरु महानगर पालिका में गुणवत्ता नियंत्रण एवं गुणवत्ता आश्वासन, राजमार्ग इंजीनियरिंग ग्रेड-1' के कार्यकारी अभियंता एच. बी. कल्लेशप्पा, कोलार में सहायक कार्यकारी अभियंता जी नागराज, कलबुर्गी में परियोजना कार्यान्वयन इकाई के जगन्नाथ, दावणगेरे में स्वास्थ्य विभाग में खाद्य सुरक्षा एवं गुणवत्ता इकाई के जिला सांख्यिकी अधिकारी जी. एस. नागराजू शामिल हैं।

नंजुंदप्पा के पास 8.46 करोड़ रुपये की संपत्ति पायी गयी है, जिसमें 7.47 करोड़ रुपये मूल्य के नौ भूखंड, मकान और कृषि भूमि शामिल हैं। कल्लेशप्पा के पास 6.5 करोड़ रुपये की संपत्ति मिली, जिसमें दो भूखंड, तीन मकान और कृषि भूमि शामिल हैं।

नागराज के पास 2.19 करोड़ रुपये की संपत्ति थी, जगन्नाथ के पास 4.55 करोड़ रुपये, नागराज जे एस के पास 6.14 करोड़ रुपये, जगदीश के पास 3.11 करोड़ रुपये, दुर्गद के पास 1.92 करोड़ रुपये और केंबावी के पास 3.64 करोड़ रुपये की संपत्ति मिली।

प्रभास ने फिल्म 'कन्नप्पा' में फ्री में किया काम

मुंबई/एजेन्सी

दक्षिण भारतीय फिल्मों के सुपरस्टार प्रभास ने फिल्म कन्नप्पा में फ्री में काम किया है। अभिनेता-निर्माता विष्णु मांचू ने पुष्टि की है कि प्रभास ने 'कन्नप्पा' में रुद्र की भूमिका के लिए कोई शुल्क नहीं लिया हाल ही में आस्कविष्णु ट्विटर सेशन के दौरान विष्णु मांचू ने एक दिल को छू लेने वाले खुलासे में पुष्टि की कि बहुप्रतीक्षित फिल्म कन्नप्पा में रुद्र की भूमिका निभाने वाले स्टार प्रभास ने फ्री में अभिनय किया है। एक प्रशंसक ने विष्णु से पूछा कि क्या अफ़वाहें सच हैं, और उन्होंने पुष्टि करते हुए कहा, हाँ, जिससे प्रभास के उदार भाव पर प्रकाश पड़ता है। प्रभास, जो उद्योग के भीतर अपनी मज़बूत दोस्ती और सम्मान के लिए जाने जाते हैं, ने फ़िल्म कन्नप्पा का समर्थन करने में संकोच नहीं किया। ख़ास तौर पर विष्णु के पिता डॉ. एम. मोहन बाबू, जो फ़िल्म के निर्माता भी हैं, के साथ अपने घनिष्ठ संबंधों को देखते हुए प्रभास ने कोई फीस नहीं ली।भारतीय सिनेमा में सबसे ज़्यादा मांग वाले सुपरस्टार में से एक होने के बावजूद, प्रभास ने हमेशा अपने करीबी लोगों के प्रति बहुत विनम्रता और वफ़ादारी दिखाई है।

विष्णु ने यह भी साझा किया कि प्रभास ने भूमिका स्वीकार करने में केवल कुछ सेकंड लिए और फिल्म की रश से बहुत प्रभावित हुए, उन्होंने इसे एक ऐसा अनुभव बताया जो उन्हें बेहद पसंद आया। रुद्र के रूप में प्रभास के पहले लुक ने पहले ही ऑनलाइन चर्चा बटोर ली है, और प्रशंसक फिल्म में उनकी शक्तिशाली उपस्थिति का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इसके अलावा एक नेटिजन ने पूछा:प्रभास को यह भूमिका स्वीकार करने में कितना समय लगा?फिल्म की रश देखकर उनकी पहली प्रतिक्रिया क्या थी? साथ ही, क्या आप उन्हें प्री-रिलीज़ इवेंट में ला रहे हैं?विष्णु मांचू ने जवाब दिया: उन्हें स्वीकार करने में कुछ सेकंड लगे उन्हें यह बेहद पसंद आया। बिना किसी फीस के अभिनय करने का प्रभास का इशारा सोने के दिल वाले व्यक्ति के रूप में उनकी प्रतिष्ठा को और मजबूत करता है, जो हमेशा अपने दोस्तों और सहकर्मियों के लिए मौजूद रहते हैं। फिल्म कन्नप्पा 25 अप्रैल को दुनिया भर में रिलीज़ होने वाली है।

महिला दिवस मनाने में सिनेमा भी पीछे नहीं

मुंबई/एजेन्सी

किसी ने सही कहा है, महिला... ईश्वर की शानदार रचना है। वह मां के रूप में योद्धा तो बहन के रूप में जख्म पर मरहम भी लगाती है। दादी, मौसी, दोस्त या अन्य हर किरदार में वह शानदार है। फिल्म इंडस्ट्री ने ऐसी कई फिल्में बनाई हैं, जिसमें मुख्य कलाकार के तौर पर महिलाएं हैं। श्रीदेवी की 'मॉम' में एक योद्धा तो यामी गौतम की 'आर्टिकल 370' में दुश्मनों को धूल चटाती नायिका है। यहां पढ़िए अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर महिलाओं पर आधारित कुछ विशेष फिल्मों के बारे में...

मिसेज :- हाल ही में रिलीज हुई फिल्म 'मिसेज' का निर्देशन आरती कडव ने किया है। फिल्म में महिलाओं पर शादी के बाद हो रहे शोषण के साथ ही घरेलू महिलाओं को किन परेशानियों का सामना करना पड़ता है, इसे दिखाया गया है। फिल्म में सान्या मल्होत्रा मुख्य भूमिका में हैं।

आर्टिकल 370 :- साल 2024 में रिलीज हुई 'आर्टिकल 370' में यामी गौतम मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म का निर्देशन आदित्य सुहास जंभाले ने किया है। फिल्म में यामी खुफिया एजेंट के रूप में हैं, जो पर्दे पर खूब एक्शन करती नजर आईं।

थप्पड़ :- महिलाओं के बड़े कदम उठाने की बात की जाए तो तापसी पन्नू की 'थप्पड़' को नहीं भूला जा सकता है। साल 2020 में रिलीज फिल्म में महिलाओं पर पति के अत्याचारों को दिखाया गया है। इस फिल्म का निर्देशन अनुभव सिन्हा ने किया।

छपाक :- मेघना गुलजार के निर्देशन में बनी 'छपाक' महिलाओं

पर किए जा रहे एसिड अटैक के खिलाफ आवाज बुलंद करती है। 'छपाक' में दीपिका पादुकोण मुख्य भूमिका में हैं। साल 2020 में रिलीज हुई फिल्म में एसिड विक्टिम की कहानी को पर्दे पर उतारा गया है।

मॉम :- मां कितनी भी भोली-भाली हो, जब बात बच्चों की आती है तो वह शेरनी भी बन जाती है। यही बात साबित करती है साल 2017 में आई श्रीदेवी की फिल्म 'मॉम'। रवि उदयवार के निर्देशन में बनी फिल्म में रेप की शिकार हुई बेटी के लिए लड़ती एक मां की मजबूत कहानी को बखूबी दिखाया गया है। फिल्म का डायलॉग भगवान हर जगह नहीं होता है इसीलिए उसने मां बनाई है। फिल्म के सार को अपने में समेटे हुए है।

पिंक :- महिलाओं के कपड़ों और कैरेक्टर पर सवाल उठाते लोगों को लताड़ लगाती फिल्म 'पिंक' के जरिए उन लोगों को कड़ा मैसेज देने की कोशिश की गई, जो जोर-जबरदस्ती को सामान्य मानते हैं। 'नो का मतलब, नो होता है' जैसे डायलॉग से सजी फिल्म करारा तमाचा भी लगाती है। साल 2016 में रिलीज फिल्म का निर्देशन अनिरुद्ध रॉय चौधरी ने किया है।

नीरजा :- लड़कियां केवल कोमल या नाजुक नहीं होती हैं, वह समय आने पर दुश्मनों से दो-दो हाथ करने में भी पीछे नहीं हटती हैं और यही मैसेज देती है साल 2016 में रिलीज 23 साल की लड़की के जीवन पर आधारित फिल्म 'नीरजा', जो कि महिला के साहस को दिखाती है। फिल्म का निर्देशन राम माधवानी ने किया है।

मर्दानी :- रानी मुखर्जी स्टारर 'मर्दानी' और 'मर्दानी 2' की कहानी के जरिए महिलाओं पर हुए अत्याचार को दिखाया गया है।

सोनू सूद की फिल्म 'फतेह' जियो हॉटस्टार पर होगी स्ट्रीम

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेता सोनू सूद निर्देशित पहली फिल्म 'फतेह' जियोहॉटस्टार पर स्ट्रीम होने वाली है। फिल्म फतेह एक्शन से भरपूर थ्रिलर साइबरक्राइम की खतरनाक दुनिया को उजागर करती है।इस फिल्म में सोनू सूद मुख्य भूमिका में हैं, उनके साथ नसीरुद्दीन शाह, जैकलीन फर्नांडीज और विजय राज ने भी अहम किरदार निभाया है।इस फिल्म का निर्देशन सोनू सूद ने किया है और इसे शक्ति सागर प्रोडक्शंस एवं ज़ी स्टूडियोज के बैनर तले सोनाली सूद और उमेश केआर बंसल ने बनाया है। सोनू सूद ने कहा, फतेह में काम करना और निर्देशन करना मेरे लिए एक अनोखा अनुभव रहा। यह एक चुनौती भी थी और रोमांच भी। मुझे हमेशा से एक्शन पसंद रहा है और यह देखकर खुशी होती है कि मेरे प्रशंसकों को भी उतना ही मजा आता है। इस फिल्म के जरिए हमने एक्शन को नए स्तर पर ले जाने की कोशिश की है। फतेह सिर्फ साइबरक्राइम के बारे में नहीं है, बल्कि यह जोश, जुनून और न्याय की लड़ाई की कहानी है। अभिनय और निर्देशन दोनों के बीच संतुलन बनाए रखना एक सीखने वाला अनुभव था। लेकिन मेरी पूरी टीम की मेहनत ने इसे आसान बना दिया। मैं उत्साहित हूं कि अब दर्शक इसे जियोहॉटस्टार पर देख पाएंगे और हमारी मेहनत को महसूस करेंगे। फिल्म फतेह में खुशी शर्मा का अहम किरदार निभाने वाली जैकलीन फर्नांडीज ने कहा, फतेह में काम करना मेरे लिए एक शानदार अनुभव रहा। आज साइबरक्राइम पूरी दुनिया के लिए एक गंभीर खतरा है और इस पर जागरूकता बढ़ाने की ज़रूरत है।

सोनू सूद एक सच्चे कलाकार और बेहतरीन निर्देशक हैं। उन्होंने एक मजबूत टीम बनाई, जिसने इस फिल्म को असली रूप दिया। इसकी कहानी, एक्शन और जज़्बात दर्शकों को बेहद पसंद आएंगे। मैं दर्शकों के जियोहॉटस्टार पर इस फिल्म को देखने और हमारे इस सफर का हिस्सा बनने का बेसब्री से इंतजार कर रही हूं।

श्वेता त्रिपाठी ने की अपने पहले प्रोडक्शन की घोषणा

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री श्वेता त्रिपाठी ने अपने पहले प्रोडक्शन की घोषणा कर दी है। श्वेता त्रिपाठी अब प्रोड्यूसर के रूप में अपनी नई पारी शुरू करने जा रही हैं। उनके प्रोडक्शन हाउस के तहत चार रोमांचक प्रोजेक्टस बनने वाले हैं, जो अलग-अलग शैलियों को दर्शाएंगे। इनमें से उनका पहला प्रोडक्शन एक समलैंगिक लव स्टोरी है, जो दो महिलाओं की प्रेम कहानी को दर्शाएगा। इस फिल्म से श्वेता पहले एक एक्टर के रूप में जुड़ी थीं, लेकिन बाद में इसे प्रोड्यूस करने का फैसला किया। एलजीबीटीक्यूआईए+ समुदाय के प्रतिनिधित्व को बढ़ावा देने वाली यह फिल्म उनके लिए एक बेहद व्यक्तिगत और खास प्रोजेक्ट है।

अपने इस फैसले के बारे में बात करते हुए श्वेता ने कहा, जब मुझे यह स्क्रिप्ट एक कलाकार के रूप में ऑफर हुई, तो मैं तुरंत

इसकी ईमानदारी, संवेदनशीलता और प्रेम की खूबसूरत अभिव्यक्ति से जुड़ गई। जैसे-जैसे मैंने इसे समझा, मुझे महसूस हुआ कि इस कहानी को सही तरीके से कहने की ज़रूरत है। तभी मैंने इसे प्रोड्यूस करने का निर्णय लिया। यह सिर्फ एक फिल्म नहीं, बल्कि प्रेम, पहचान और खुद को स्वीकार करने की हिम्मत का जश्न है। बतौर प्रोड्यूसर मुझे अब अपनी पसंदीदा कहानियां कहने की आज़ादी है, और इससे बेहतर शुरुआत मैं नहीं मांग सकती थी।

इस क्वीर रोमांस के अलावा, श्वेता के प्रोडक्शन हाउस में एक हॉरर फिल्म, एक ड्रामा और एक साइकोलॉजिकल थ्रिलर भी शामिल हैं। इसके अलावा, श्वेता बच्चों की कहानियों को भी प्रोड्यूस करने की इच्छुक हैं, क्योंकि यह एक ऐसा जॉनर है जो उनके दिल के बेहद करीब है।

उनका मानना है कि हम जिन फिल्मों को देखकर बड़े होते हैं, वे हमें गहराई से प्रभावित करती हैं, और वह ऐसी कहानियां बनाना चाहती हैं जो छोटे दर्शकों के दिलों में अपनी छाप छोड़ें। श्वेता ने कहा,बचपन में देखी गई फिल्मों ने मेरी सोच और व्यक्तित्व को बहुत प्रभावित किया है। वे हमें सहानुभूति, जिज्ञासा और हिम्मत सिखाती हैं, जो ज़िंदगीभर हमारे साथ रहती हैं। एक प्रोड्यूसर के रूप में, मैं ऐसी फिल्में बनाना चाहती हूं जो केवल मनोरंजन न करें, बल्कि अगली पीढ़ी को प्रेरित भी करें।

सुभाष घई ने सिनेमा हॉल में दर्शकों की घटती संख्या पर चिंता जताई

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड के दिग्गज फिल्म निर्माता सुभाष घई ने सिनेमा हॉल में दर्शकों की घटती संख्या पर चिंता जताई है और इसके लिए फिल्मों की टिकटों की बढ़ती कीमतों को जिम्मेदार ठहराया है। सुभाष घई ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म इंस्टाग्राम पर खाली पड़े थिएटर की तस्वीर शेयर की और मौजूदा परिस्थितियों में सिनेमा उद्योग की स्थिरता पर सवाल उठाया। सुभाष घई ने अपने पोस्ट में लिखा, आज बॉलीवुड क्यों घाटे में है? सिनेमा हॉल में फिल्म देखने की भारी कीमत की वजह से। सिनेमा प्रेमियों ने बड़े पर्दे पर सामूहिक फिल्म देखने के अनुभव के लिए थिएटर जाना बंद कर दिया है। सुभाष घई ने इस मुद्दे का समाधान सुझाते हुये लिखा, इसका एकमात्र समाधान है कि बॉलीवुड, राज्य सरकारों के साथ मिलकर तमिलनाडु में 'इकोनॉमी क्लास' टिकटों की तरह किफायती कीमतों

पर सिनेमा हॉल के 30 प्रतिशत टिकटों की सीमा तय करने का नियम बनाये, तो शायद अधिक दर्शक वापस आएंगे। यह आज एक बड़ा सवाल है। गौरतलब है कि सुभाष की यह पोस्ट ऐसे समय में आई है जब फिल्म उद्योग दर्शकों के बदलते व्यवहार से जूझ रहा है, जिसमें कई लोग पारंपरिक सिनेमा की तुलना में स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म की सुविधा और सामर्थ्य को प्राथमिकता दे रहे हैं।

RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2018-2020 Posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026.

।।ॐ ह्रीँ श्रीँ अर्हम् श्री केसरिया आदिनाथाय नमः।।

।। श्री शीतलनाथाय नमः।। ।। श्री जीरावला पार्श्वनाथाय नमः।। ।। श्री चन्द्रप्रभस्वामिने नमः।।

दक्षिण भारत श्री बेंगलोर नगरे शंकरपुरम् मध्ये

श्री केसरिया आदिनाथजी प्राण प्रतिष्ठा एवं प्राचीन श्री आदिनाथजी प्रतिष्ठा निमित्ते

नवाह्निका महोत्सव

सकल श्री जैन संघ को भावभरा हार्दिक आमंत्रण

पावनकारी सानिध्य: सम्यग् ज्ञान पिपासु प.पू. आचार्यदेवश्री रत्नशेखरसूरीश्वरजी म.सा. के शिष्यरत्न मरुधर रत्न **आचार्य श्री रत्नाकरसूरीश्वरजी म.सा.,** श्रुतोपासक आचार्य श्री रत्नसंयम सूरीश्वरजी म.सा. आदि ठाणा ५

प्रथम दिवस: फाल्गुण सुदि १०, रविवार, दि. 09-03-2025

प्रातः 7.30 बजे – सकल संघ का नाश्ता (सत्य प्रमोद चौल्ट्री नेशनल कॉलेज ग्राउंड के सामने), प्रातः 8.45 बजे – परम पूज्य गुरदेव, भगवान देव देवी भराने के लाभार्थी परिवार, दिक्षार्थी मुमुक्षु , सकल संघ के साथ बाजते गाजते नेशनल कॉलेज ग्राउंड प्रवेश वरघोडा प्रारंभ, सुबह : 9.45 बजे – प्राचीन आदिनाथ भगवान, एवं सभी भगवान – देव देवी मंगल मूर्ति प्रतिमा प्रवेश एवं पूज्य गुरुदेव का मंगलमय प्रवेश, सुबह : 10.25 बजे – पुनमिया भवन उद्घाटन, सुबह : 10.30 बजे – मंदिरजी से भरत चक्रवर्ति भोजन मंडप, उद्घाटन, सुबह :11.45 बजे – अयोध्या नगरी उद्घाटन

श्री अयोध्या नगरी उद्घाटन
स्व. श्रीमती सोनीबाई हजारीमलजी पुनमिया के दिव्य आशीष से
माता - पिता : श्रीमती चन्द्रावती - पारसमलजी पुनमिया की प्रेरणा से
पुत्र-पुत्रवधु: मुकेशकुमारजी - सीमा, राकेशकुमारजी - गीता
पौत्र-पौत्रवधु: चिराग - रलोनी, हिमांशु - सोनल, पौत्री: निकिता, करिश्मा बेटी-जमाई: श्रीमती निर्मला - राजेशजी खेमलानी, दिनेश - उज्वलजी गोलेचा एवम समस्त पुनमिया परिवार (मरुधर - बाली) फर्म: इनविशन मेडि साईन्स प्रा.लि, इनविशन फार्मा लिमिटेड़, मिनोवा लाईफ साईन्स प्रा.लि, विटामिनबेरी, बेंगलोर, युएसए

श्री भरत चक्रवर्ति भोजन मंडप उद्घाटन लाभार्थी
पूज्य दादोसा-दादीसा के दिव्य आशीष से
पुत्र-पुत्रवधु: स्व. हसमुखलालजी-पुष्पादेवी, प्रमुखकुमारजी - विमलादेवी, निर्मलकुमारजी - मंजुदेवी,
पौत्र-पौत्रवधु: अमित-हर्षा, सचिन-वीणा, हार्दिक-जयणा,
पौत्र: जयेश, पौत्री: प्राची, पड़पौत्र-पड़पौत्री: ध्रुव, ध्वनित, जीया, मिराया,
सुपुत्री-जमाई: रंजुबाई - संदीपकुमारजी लूणिया,
पौत्री-जमाई: तरुणा-तेजसजी भंडारी, शिल्पा-मयूरजी लूणिया एवं समस्त खिंवेसरा परिवार (मरुधर - जालोर)
फर्म: पी. निर्मलकुमार एण्ड को., बेंगलोर

सुबह की नवकारसी
संघवी पूज्य पिताश्री स्व. श्री प्रेमराजजी भंडारी के दिव्य आशीष से
एवं मातुश्री श्रीमती भवरीदेवी की प्रेरणा से
पुत्र-पुत्रवधु: पारसमलजी - कंचनदेवी, निर्मलकुमारजी - रेखादेवी
पौत्र-पौत्री: गजेश, मानव, गुंजन,
पौत्री-जमाई: रक्षा-लोकेशजी डागा
बेटा पोता परपोता श्रीमती कंकुबाई चाँदमलजी भंडारी परिवार
(मरुधर - मारवाड़ जंक्शन)
फर्म: आदिश्वर इंडिया लि, बेंगलोर

शाम की नवकारसी
पूज्य पिताश्री एवं मातुश्री के दिव्य आशीष से
पुत्र-पुत्रवधु: कुशलराजजी - सुशीला, हंसराजजी - किरण, प्रकाशचंदजी - गीता, निर्मलकुमारजी - ललिता,
पौत्र-पौत्रवधु: महेन्द्रजी - सुमिता, नरेन्द्रजी - रंजिता, प्रितेशजी - श्वेता, दर्शनजी - सुमन, अभिषेकजी - श्रुती, करणजी - प्रज्ञा,
पड़पौत्र-पौत्री: लब्धि, मनन, तनैय, निधान एवं समस्त पिरगल परिवार
(मरुधर - बाँता)
फर्म: श्री पुखराज पिरगल सन्स, बेंगलोर

भगवान, देव-देवी, मंगल मूर्ति, पंचधातु मूर्ति भरानेवाले लाभार्थी भाग्यशाली परिवार

मूलनायक श्री केसरिया आदिनाथ भगवान
शा पारसमलजी मुकेशकुमारजी चिरागकुमारजी पुनमिया, बाली, फर्म: विटामिनबेरी, बेंगलोर

श्री प्राचीन आदिनाथ नूतन मंदिरजी में प्रवेश
शा अनूपकुमारजी, दीपककुमारजी सुपुत्र भवरलालजी श्रीश्रीमाल, मारवाड़ जंक्शन, फर्म: ड्रेसकोड, बेंगलोर

श्री जीरावला पार्श्वनाथ भगवान
शा नवरतनजी सुपुत्र श्रीमती निर्मलाबाई दिलीपजी पुनमिया, खुडाला, फर्म: नाकोडा डैरी प्रा.लि., बेंगलोर

श्री शीतलनाथ भगवान
शा संदीपकुमारजी सुपुत्र श्रीमती भवरीबाई आनंदमलजी खाँटेड़ धनला, फर्म: शा मोहनलाल आनंदमल एण्ड को, बेंगलोर

श्री चन्द्रप्रभुस्वामी
शा राजेशकुमारजी सुपुत्र श्रीमती तुलसीबाई मोहनलालजी खाँटेड़, धनला, फर्म: मोहन फैशन्स, बेंगलोर

श्री नाकोडा भैरुजी
शा पारसमलजी, करणजी, पुनितजी बरलोटा मा.जंक्शन, फर्म: आर्टेक्स ट्रेन्डस् इंडिया प्रा.लि., बेंगलोर

श्री माणीभद्रजी
शा कल्पेशकुमारजी, मेरुषकुमारजी सुपुत्र उत्सवचंदजी खाँटेड़, बाली, फर्म: उत्सव गोल्ड, बेंगलोर

श्री पद्मावती देवी
शा भेरुमलजी, हर्षकुमारजी, भावेशकुमारजी भंडारी जालोर, फर्म: महावीर मेडि सेल्स प्रा.लि, बेंगलोर

श्री अंबिका देवी
शा राणमलजी, गणपतजी, विजयजी, ललितजी बागरेचा गढसिवाणा, फर्म: रामदेव ग्रुप ऑफ इन्डस्ट्रीज, बेंगलोर

मंगल मूर्ति १
शा नेमीचंदजी, नीरजकुमारजी, सागर, रियान सिंघी, आहोर, फर्म: अरिहंत ग्लास एण्ड प्लायवुड, बेंगलोर

मंगल मूर्ति २
शा कल्पेशकुमारजी, मेरुषकुमारजी सुपुत्र उत्सवचंदजी खाँटेड़, बाली, फर्म: उत्सव गोल्ड, बेंगलोर

मंगल मूर्ति ३
शा हिम्मतमलजी, जीतेन्द्रजी, हर्षजी निंबजिया तखतगढ, फर्म: एम.आर.क्रियेशन, बेंगलोर

पंचधातु श्री आदिनाथ भगवान (९ इंच)
शा कल्पेशकुमारजी, मेरुषकुमारजी सुपुत्र उत्सवचंदजी खाँटेड़, बाली, फर्म: उत्सव गोल्ड, बेंगलोर

पंचधातु श्री पार्श्वनाथ भगवान (९ इंच)
शा धेवरचंदजी , कुशलजी, सफलजी साकरिया सांडेरॉव, फर्म: मंगलदीप चैन्स, बेंगलोर

पंचधातु श्री पार्श्वनाथ भगवान (७ इंच)
शा गिरिशकुमारजी सुपुत्र: पिस्ताबाई उदयराजजी मांडोथ आऊवा, फर्म: साउथ इंडिया सेल्स कोरपोरेशन, बेंगलोर

पंचधातु श्री महावीरस्वामी भगवान (७ इंच)
शा हसमुखकुमारजी, प्रमुखकुमारजी, निर्मलकुमारजी खिंवेसरा, जालोर, फर्म: पी. निर्मलकुमार एण्ड को, बेंगलोर

पंचधातु श्री मुनिसुव्रतस्वामी भगवान (७ इंच)
शा पारसमलजी मुकेशकुमारजी चिरागकुमारजी पुनमिया, बाली, फर्म: विटामिनबेरी, बेंगलोर

पंचधातु, पंचतीर्थी श्री शान्तिनाथ भगवान
शा रिखबचंदजी, प्रकाशचंदजी, गजेन्द्रजी बड़ोला मारवाड़ जंक्शन, फर्म: मिलटेक्स बडोला एण्ड कंपनी, बेंगलोर

पंचधातु चौमुख श्री आदिनाथ भगवान
शा कमलेशजी, आशीषजी, अंकितजी चंडालिया, नालराई
फर्म: एनक्लेवर बिल्डर्स एण्ड डेवलोपर्स. बेंगलोर

पंचधातु श्री चौविसी
शा मितेशजी, अखिलजी सुपुत्र: विनोदकुमारजी काश्यप गौत्र चौहान, आहोर, फर्म: निकोआर्क इन्डस्ट्रीयल प्रा.लि, बेंगलोर

पंचधातु श्री अष्टमंगल पाटली
शा मांगीलालजी, किरणकुमाजरजी, कल्पजी हरण, दासपा, फर्म: आद्या एजेन्सीज्, बेंगलोर

पंचधातु श्री सिद्धचक्रजी गट्टा
शा राजेशजी, राकेशजी, प्रदीपजी मेहता सांडेरॉव, फर्म: मोहिनी फार्मास्युटिकल, बेंगलोर

रजत आदिनाथ भगवान प्रवेश
शा इंदरचंदजी, रमेशचंदजी मंगलचंदजी, बोहरा, बिलावास
फर्म: बी.जी.भवरलाल बोहरा एण्ड सन्स, बेंगलोर

स्टेज प्रोग्राम-भक्ति भावना
श्री अयोध्या नगरी
किम्स हॉस्पीटल के सामने, बेंगलोर

भरत चक्रवर्ति भोजन मंडप
मराठा हॉस्टल
बुल टेंपल रोड़, चामराजपेट, बेंगलोर

मंदिरजी
श्री आदिनाथ मंदिर
रंगराॅव रोड़, शंकरपुरम, बेंगलोर

भक्ति भावना
दिलीप बाफना-मुंबई
देवेश जैन-मोहनखेडा

सकल श्री जैन संघ के नम्र निवेदन है कि आप सपरिवार इस प्रतिष्ठा महोत्सव में पधारकर जिनशासन की शोभा बढावे

निमंत्रक: श्री आदिनाथ जैन श्वेतांबर मूर्तिपूजक ट्रस्ट, शंकरपुरम, बैंगलोर

Printed & Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com